www.sanjanabharati.com
दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित
facebook.com/Sanjanabharati

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 हिन्दी पत्रकारिता को व्यवसाय नहीं, मिशन...
3 हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष ने दी 4 करोड़ 44 लाख...
4 गांव किठाना के नवयुवक आकाश गोयल ने...

वर्ष: 9 | अंक: 216 | दिल्ली, शनिवार, 31 मई 2025 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

लेखनी के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में मीडिया की अहम भूमिका: सीएम नायब सिंह सैनी

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आजादी के बाद से लेकर आज तक राष्ट्र निर्माण में मीडिया की अहम भूमिका रही है। उन्होंने राष्ट्रहित में अपनी लेखनी को आधार बनाने वाले सभी पत्रकारों की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि मीडिया की स्वतंत्रता लोकतंत्र की मजबूती का आधार स्तंभ है और यही प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की सकारात्मक सोच को दशार्ता है।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को रोहतक स्थित महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के राधा कृष्णन ऑडिटोरियम में हरियाणा यूनियन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स के वार्षिक अधिवेशन में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। मुख्यमंत्री ने सभी पत्रकारों को हिंदी पत्रकारिता दिवस पर बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कलम के प्रहरियों को सलाम किया। अधिवेशन में हरियाणा के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा, पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर व बाबा कपिलपुरी जी महाराज विशिष्ट अतिथि रहे। मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्ज्वलन के साथ अधिवेशन का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने महर्षि नारद मुनि के वंशज होने के नाते पत्रकारिता के धर्म का निर्वाह कर रहे सभी मीडिया बंधुओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज का यह पावन दिवस हमारे पंचम गुरु 'श्री गुरु अर्जन देव जी' की शहादत को नमन करने का दिन भी है, जिन्होंने धर्म की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया। साथ ही उन्होंने अरूट महाराज की जयंती पर उन्हें नमन किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का विकसित भारत का सपना साकार हो रहा है और हमारा राष्ट्र विश्व में अग्रणी बनने की दिशा में निरंतर अग्रसर है।

देश की आजादी के आंदोलन में पत्रकारों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज को नई दिशा देने वाले विचार निमार्ता पत्रकार ही होते हैं, जिनके निरंतर सहयोग से राष्ट्र उन्नति के पथ पर आगे बढ़ रहा है। मीडिया लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभा रहा है और हरियाणा सरकार भी मीडिया के हितों की सुरक्षा के लिए प्रभावी कदम उठा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने में मीडिया का योगदान महत्वपूर्ण है। समाज में नई चेतना उत्पन्न करते हुए योजनाओं से लाभान्वित करने में मीडिया की सक्रिय भूमिका सदैव प्रशंसनीय है। उन्होंने मीडिया बंधुओं को सरकार की कुशल कार्यशैली के बारे में लोगों को अवगत कराते हुए नैतिक पत्रकारिता पर फोकस करने के लिए प्रेरित भी किया। उन्होंने बताया कि मीडिया फ्रेंडली माहौल सरकार दे रही है ताकि पत्रकार निर्भीक होकर अपनी लेखनी का इस्तेमाल समाज हित में कर सकें।

मुख्यमंत्री ने हरियाणा यूनियन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स के वार्षिक अधिवेशन में 21 लाख रुपये की राशि देने की घोषणा की। साथ ही यूनियन की ओर से रखी गई मांगों पर सहानुभूति पूर्वक विचार करने का भी आश्वासन दिया।

गोवा की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत देश के लिए गौरव का विषय: सीएम रेखा गुप्ता

पर्यटन और संस्कृति में गोवा का योगदान अद्वितीय: कपिल मिश्रा

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार में राज्यों की सांस्कृतिक विविधता को सम्मान देने की परंपरा के अंतर्गत दिल्ली सचिवालय में गोवा दिवस के अवसर पर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस रंगारंग समारोह का आयोजन कला, संस्कृति एवं भाषा विभाग की ओर से किया गया, जिसका उद्देश्य गोवा राज्य की गौरवशाली सांस्कृतिक धरोहर, परंपराएं और ऐतिहासिक विरासत को जनसामान्य के समक्ष प्रस्तुत करना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की उपस्थिति में हुआ। उन्होंने कहा, दिल्ली में गोवा के नागरिक बड़ी संख्या में निवास करते हैं, जो अपनी मेहनत और कर्मठता से न केवल अपने राज्य, बल्कि पूरे देश की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। गोवा अपनी प्राकृतिक सुंदरता के साथ-साथ अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, शांतिप्रिय जीवनशैली और विकास की भावना के लिए भी प्रसिद्ध है। हाल ही में दिल्ली सरकार ने यह निर्णय लिया है कि प्रत्येक राज्य के स्थापना दिवस को उत्साहपूर्वक और गरिमापूर्ण तरीके से मनाया जाएगा, जिससे राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक विविधता को सुदृढ़ किया जा सके।

कार्यक्रम के दौरान साहित्य कला परिषद से जुड़े कलाकारों ने गोवा के पारंपरिक लोकनृत्य, संगीत और कलाओं की मोहक प्रस्तुतियां दीं। इनमें गोवा के प्रसिद्ध लोकनृत्य फुगड़ी की प्रस्तुति विशेष आकर्षण का केंद्र रही। यह नृत्य अपनी जोरदार थाप और पारंपरिक शैली के कारण दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर गया। इसके अतिरिक्त महिला एवं पुरुष कलाकारों की पारंपरिक वेशभूषा में सजी प्रस्तुतियों ने सांस्कृतिक विविधता को और जीवंत कर दिया।

कला, संस्कृति एवं भाषा मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा, गोवा न केवल सांस्कृतिक बल्कि पर्यटन, सामाजिक और आर्थिक दृष्टि से भी भारत का एक अग्रणी राज्य है। दिल्ली और गोवा के बीच सामाजिक, सांस्कृतिक और शैक्षिक सहयोग लगातार मजबूत हो रहा है और हमें विश्वास है कि यह साझेदारी भविष्य में और भी प्रगाढ़ होगी। गोवा की समृद्ध विरासत और प्रेरणादायक परंपराएं पूरे देश के लिए गौरव का विषय हैं। उन्होंने इस शुभ अवसर पर गोवा के नागरिकों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर गोवा की पारंपरिक कलात्मक परंपराओं, कारीगरी और सांस्कृतिक प्रतीकों को प्रदर्शित करने के लिए एक विशेष प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया, जिसने दर्शकों को गोवा की सांस्कृतिक समृद्धि से परिचित कराया। सचिवालय के कर्मचारी भी इस आयोजन में सहभागिता करते हुए दिखाई दिए, जिससे यह समारोह और अधिक जीवंत एवं समावेशी बन गया।

दिल्ली सरकार द्वारा इस प्रकार के आयोजनों के माध्यम से भारत की सांस्कृतिक एकता और विविधता को मंच प्रदान करने का उद्देश्य सफलतापूर्वक पूरा किया जा रहा है। गोवा दिवस का यह आयोजन देश की विविध सांस्कृतिक पहचान को सम्मान देने का एक अनूठा प्रयास भी है।

भगवान परशुराम पराक्रमी योद्धा, वेदों के ज्ञाता और महान समाज सुधारक थे: सीएम नायब सिंह सैनी

'प्रदेश में किसी एक बड़े पार्क का नाम भगवान परशुराम के नाम पर रखा जाएगा'

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गांव पहरावर में गौड़ ब्राह्मण विद्या प्रचारिणी सभा को कैंपस-III के शिक्षण संस्थानों के निर्माण कार्यों हेतु प्रदेश सरकार की ओर से मैचिंग ग्रांट देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि जितना पैसा समाज इन संस्थानों के लिए एकत्रित करेगा, उससे ज्यादा की राशि हरियाणा सरकार द्वारा मैचिंग ग्रांट के रूप में प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त, प्रदेश में किसी एक बड़े पार्क का नाम भगवान परशुराम के नाम पर रखा जाएगा।

मुख्यमंत्री ने ये घोषणाएं शुक्रवार को जिला रोहतक के गांव पहरावर में भगवान परशुराम की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह के दौरान की। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने समाज की संस्था को 51 लाख रुपये देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि समाज द्वारा रखी गई अन्य मांगों को भी विभागों को भेजकर उनकी फिजिबिलिटी चैक करवाकर प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने का काम किया जाएगा। इससे पहले, मुख्यमंत्री ने 61 करोड़ 23 लाख रुपये लागत की कुल 9 परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इनमें 54 करोड़ 26 लाख रुपये लागत की 5 परियोजनाओं का शिलान्यास तथा 6 करोड़ 97 लाख रुपये लागत की 4 परियोजनाओं का उद्घाटन शामिल है। श्री नायब सिंह सैनी ने भगवान परशुराम जयंती, सिख गुरु अर्जन देव जी के शहीदी दिवस और अरूट महाराज की जयंती पर उन्हें नमन करते हुए कहा कि सभी महापुरुषों ने धर्म की स्थापना, सामाजिक एकता, सद्भाव और संस्कृति के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित किया। इनकी जीवनयात्रा हम सभी को सदा धर्म पथ पर चलने और मानवता की सेवा के लिए प्रेरित करती रहेंगी।

भगवान परशुराम को पराक्रमी योद्धा, वेदों के ज्ञाता और एक महान समाज सुधारक बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वे ऐसे महान योद्धा थे, जिन्होंने ब्राह्मण होते हुए भी शस्त्र धारण कर अन्याय और अधर्म का नाश किया। भगवान परशुराम जी का जीवन हमें यही संदेश देता है कि ज्ञान और बल का संतुलन ही समाज को सही दिशा में आगे ले जाता है। उन्होंने कहा कि हरियाणा की भूमि वीरता, विद्या और परंपरा की जननी रही है। भगवान परशुराम जी ने कहा था कि धर्म की रक्षा के लिए यदि शस्त्र भी उठाना पड़े तो वह भी तपस्या का ही एक रूप है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज जब हम प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत झ विकसित हरियाणा बनाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं तो भगवान परशुराम जी के आदर्श और उनके संदेश हमें सही मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि आज जब हम विकसित भारत, डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया जैसे महत्त्वाकांक्षी अभियान आगे बढ़ा रहे हैं, तो हम सभी को भगवान परशुराम के संकल्प के समान दृढ़ प्रण लेकर भारत को पुनः विश्वगुरु बनाने में अपना योगदान देना चाहिए।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि भगवान परशुराम ने किसी निजी स्वार्थ के लिए नहीं, बल्कि समाज हित में, धर्म की रक्षा के लिए, अन्याय का नाश किया।

सीएम रेखा गुप्ता ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 10वीं और 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों को किया सम्मानित

'दिल्ली में इस वर्ष विश्वस्तरीय 75 नए सीएम श्री स्कूल खोले जाएंगे'

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने राजकीय प्रतिभा बाल विकास विद्यालय, राजपुर रोड में आयोजित एक कार्यक्रम में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की 10वीं और 12वीं कक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में दिल्ली के कैबिनेट मंत्री आशीष सूद सहित छात्र-छात्राएं, उनके अभिभावक, शिक्षकगण और शिक्षा विभाग के अधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 87 छात्रों को टेबलेट देकर सम्मानित किया जिनमे 16 छात्र 10 वी कक्षा और 71 छात्र 12 वी कक्षा के है। इसके अतरिक्त मुख्यंत्री ने दिल्ली के 20 सरकारी स्कूलों के प्रमुखों को कंप्यूटर देकर सम्मानित किया जिनके स्कूलों का 10वीं और 12वीं में 100 प्रतिशत परिणाम आया है। मुख्यमंत्री ने बच्चो को उनके उज्जवल भविष्य कि कामना करते हुए कहा कि आज आपकी मेहनत रंग लाई है।

विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि आप सभी ने कठिन परिश्रम, अनुशासन और समर्पण से यह मुकाम हासिल किया है। आज आप न केवल अपने माता-पिता और स्कूल का, बल्कि पूरे देश का गौरव बढ़ा रहे हैं। दिल्ली सरकार को अपने सभी छात्रों पर गर्व है। उन्होंने आगे कहा कि यह सफलता केवल अंकों की जीत नहीं है, बल्कि यह छात्रों के कठिन परिश्रम, अपने लक्ष्य के प्रति दृढ़ता और जीवन के प्रति उनके सकारात्मक सोच का उदाहरण है। उन्होंने छात्रों से यह भी कहा कि अगर आपकी इच्छा है, आपका विजन स्पष्ट है और मेहनत की लगन है, तो कोई भी मंज़िल दूर नहीं। मुख्यमंत्री ने अपने छात्र जीवन को याद करते हुए बताया कि वह स्वयं दिल्ली सरकार के अशोक विहार स्कूल से पढ़ी हैं।

मुख्यमंत्री ने शिक्षा मंत्री आशीष सूद और एसबीआई को धन्यवाद देते हुए बताया कि यह कार्यक्रम स्कूलों के परिणाम घोषित होने के तत्काल बाद आयोजित किया गया, ताकि छात्रों और अभिभावकों की खुशी को सम्मान मिल सके। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि उनकी सरकार शिक्षा के क्षेत्र में नीति-निर्माण को प्राथमिकता दे रही है, जिससे हर सरकारी स्कूल में बच्चों को स्मार्ट क्लासरूम, स्वच्छ शौचालय, डिजिटल लाइब्रेरी और प्रशिक्षित शिक्षक उपलब्ध हों। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब समय आ गया है कि दिल्ली में सरकारी स्कूलों को फर्स्ट चॉइस बनाया जाए। जिस प्रकार उच्च शिक्षा के लिए लोग सरकारी कॉलेज जैसे दिल्ली यूनिवर्सिटी को प्राथमिकता देते हैं, उसी प्रकार स्कूल स्तर पर भी दिल्ली सरकार के संस्थान गर्व और गुणवत्ता के प्रतीक बनें। मुख्यमंत्री ने सरकार के 100 दिन पूरे होने पर शिक्षा के क्षेत्र में उठाए गए ठोस कदमों को लेकर सभी अधिकारियों, शिक्षकों, अभिभावकों और छात्रों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इन 100 दिनों में सरकार ने स्कूल प्रशासन, बुनियादी ढांचे, आधुनिक लाइब्रेरी, स्मार्ट क्लासरूम, डिजिटल सुविधाओं और बहुभाषी शिक्षा के लिए नीतिगत फैसले लिए हैं, ताकि दिल्ली के बच्चे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकें। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि छात्रों को सिर्फ परीक्षा परिणाम के आंकड़ों के लिए नहीं, बल्कि समग्र विकास के लिए तैयार किया जाना चाहिए।

उन्होंने पिछली सरकारों की उस नीति की आलोचना की जिसमें कमजोर छात्रों को रिजल्ट सुधारने के लिए बीच में से हटा दिया जाता था। उन्होंने स्पष्ट किया कि दिल्ली सरकार सभी बच्चों को साथ लेकर चलेगी, उन्हें समान अवसर देगी और जिन बच्चों को अधिक गाइडेंस की जरूरत है, उन्हें भी पूरा सहयोग मिलेगा। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि अगली बार दिल्ली के सरकारी स्कूल 100% परिणाम की दिशा में काम करें और कहा कि दिल्ली पूरे भारत में शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी बने, यही उनका लक्ष्य है।

पंजाब का गौरव: महाराजा रणजीत सिंह प्रिपरेटरी इंस्टीट्यूट के आठ कैडेट एनडीए से हुए स्नातक

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। एस ए एस नगर स्थित महाराजा रणजीत सिंह आर्म्ड फोर्सेज प्रिपरेटरी इंस्टीट्यूट के आठ कैडेट नेशनल डिफेंस एकेडमी (एनडीए), खड़कवासला (पुणे) से स्नातक हो गए हैं। इन कैडेटों ने एनडीए के 148वें कोर्स की पासिंग आउट परेड में भाग लिया, जिसकी निरीक्षण पीवीएसएम, एवीएसएम, वाईएसएम, एडीसी (सेवानिवृत्त), मिजोरम के राज्यपाल एवं पूर्व थलसेना प्रमुख जनरल वी.के. सिंह द्वारा किया गया।

इस बारे में जानकारी साझा करते हुए पंजाब के रोजगार सृजन, कौशल विकास एवं प्रशिक्षण मंत्री श्री अमन अरोड़ा ने बताया कि ये आठ कैडेट- परमजोत सिंह और अनीकेत काहोल (होशियारपुर), अर्पित पराशर (संगरूर), अभय सिंह राघव और विशेष सूद (एसएएस नगर), उधिबीर सिंह (रोपड़), अनुराग चौहान और तनमय शर्मा (पठानकोट)-ने एनडीए में तीन वर्षों की प्रशिक्षण अवधि सफलतापूर्वक पूरी कर ली है और अब ये रक्षा सेवाओं में कमीशंड अधिकारी बनने से पहले एक वर्ष की प्रशिक्षण अवधि के लिए सर्विस ट्रेनिंग अकादमियों में जाएंगे।

श्री अमन अरोड़ा ने इन नव-प्रशिक्षित युवाओं को जीवन में नई ऊँचाइयों को छूने और प्रदेश का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार की ओर से युवाओं को रक्षा सेवाओं में कमीशंड अधिकारी बनने के उनके सपनों को साकार करने की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने संस्थान द्वारा प्राप्त हो रहे शानदार परिणामों पर प्रसन्नता और संतोष व्यक्त किया।

संस्थान के निदेशक मेजर जनरल अजय एच. चौहान, वीएसएम (सेवानिवृत्त) ने कैडेटों को बधाई देते हुए बताया कि संस्थान के 28 अन्य कैडेट सर्विस ट्रेनिंग अकादमियों में शामिल होने के लिए अपने कॉल-अप लेटर की प्रतीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि संस्थान के तीन पूर्व कैडेट इस समय एनडीए, खड़कवासला में इंस्ट्रक्टर के रूप में सेवाएं दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं की ये उपलब्धियाँ संस्थान और पंजाब के लिए अत्यंत गर्व की बात हैं।

पंजाब आबकारी विभाग ने बठिंडा में 80,000 लीटर इथेनॉल जब्त किया: हरपाल सिंह चीमा

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

चंडीगढ़। 'आप' के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार के अवैध शराब के कारोबार पर अंकुश लगाने के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण सफलता की घोषणा करते हुए, पंजाब के वित्त, योजना, आबकारी और कराधान मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा ने शुक्रवार को कहा कि स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (आबकारी) और आबकारी पुलिस द्वारा गुरुवार देर शाम को किए गए एक संयुक्त अभियान के परिणामस्वरूप बठिंडा क्षेत्र में 80,000 लीटर इथेनॉल जब्त किया गया। उन्होंने कहा कि अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ 'आप' सरकार की जीरो-टॉलरेंस नीति के महत्वपूर्ण परिणाम मिले हैं, अब तक कुल 1,70,000 लीटर ईएनए/इथेनॉल जब्त किया जा चुका है।

यहां पंजाब भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने उस खुफिया-आधारित ऑपरेशन का विस्तार से वर्णन किया जिसके कारण यह भंडाफोड़ हुआ। उन्होंने कहा कि अवैध इथेनॉल/स्पिरिट की चोरी और भंडारण में लगे एक गिरोह के बारे में विश्वसनीय जानकारी पर कार्रवाई करते हुए, विशेष टीमों ने सावधानीपूर्वक योजनाबद्ध छापेमारी शुरू करने से पहले रेकी की। यह ऑपरेशन बठिंडा में नवराज ढाबे पर समाप्त हुआ, जहां गिरोह को दो गुजरात-पंजीकृत टैंकरों (पंजीकरण संख्या जी जे 06बीवी4926 और जी जे 06बी वी 7626) में इथेनॉल ले जाते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया, प्रत्येक में 40,000 लीटर भरा हुआ था।

वित्त मंत्री ने कहा कि जब्त किया गया इथेनॉल, जिसे मूल रूप से चक आलिया, दीनानगर, गुरदासपुर में वीआरवी हॉस्पिटैलिटी प्राइवेट लिमिटेड से लोड किया गया था, आईओसीएल बठिंडा जा रहा था। उन्होंने आगे कहा कि संदेह है कि यह खेप अवैध उपयोग के लिए सूखे राज्यों में गुप्त रूप से ले जाने के लिए थी, जहां शराब का उत्पादन और बिक्री निषिद्ध है।

संक्षिप्त समाचार

अभी खत्म नहीं हुआ ऑपरेशन सिंदूर- प्रधानमंत्री मोदी

कानपुर (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के कानपुर में 47,600 करोड़ रुपये की लागत वाली 15 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। अपने संबोधन के शुरूआत में मोदी ने कहा कि यह विकास कार्यक्रम 24 अप्रैल को होना था, लेकिन पहलगाम में हुए आतंकी हमले के कारण मुझे अपना कानपुर दौरा रद्द करना पड़ा। पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले में कानपुर के बेटे शुभम द्विवेदी ने भी अपनी जान गंवा दी। बेटी ऐशान्या का दर्द और गुस्सा हम सबने महसूस किया है। हमारी बेटियों का दर्द और गुस्सा दुनिया ने ऑपरेशन सिंदूर के रूप में देखा। मोदी ने हुंकार भरते हुए कहा कि हमारी बहनों-बेटियों का वही आक्रोश ऑपरेशन सिंदूर के रूप में पूरी दुनिया ने देखा है। हमने पाकिस्तान में आतंकियों के ठिकाने, घर में घुसकर, सैंकड़ों मील अंदर जाकर तबाह कर दिए। उन्होंने कहा कि हमारी सेना ने ऐसा पराक्रम किया कि पाकिस्तानी सेना को गिड़गिड़ा कर युद्ध रोकने की मांग करने पर मजबूर होना पड़ा। स्वतंत्रता संग्राम की इस धरती से मैं सेना के इस शौर्य को बार-बार सैल्यूट करता हूं। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि मैं फिर कहना चाहता हूं कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जो दुश्मन गिड़गिड़ा रहा था, वो किसी धोखे में न रहें।

सेना प्रमुख ने सुंदरबनी में चौकियों का किया दौरा

जम्मू-कश्मीर (एजेन्सी)। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने जम्मू-कश्मीर के सुंदरबनी सेक्टर में अग्रिम इलाकों और चौकियों का दौरा किया और क्षेत्र में इकाइयों और संरचनाओं की परिचालन तत्परता का आकलन किया। इस दौरे के दौरान, सेना प्रमुख को फॉर्मेशन कमांडरों द्वारा मौजूदा सुरक्षा परिदृश्य और नियंत्रण रेखा पर परिचालन गतिशीलता के बारे में जानकारी दी गई, जिससे उन्हें वर्तमान रणनीतिक माहौल का व्यापक अवलोकन मिला। सैनिकों के साथ बातचीत करते हुए, सेना प्रमुख ने ऑपरेशन सिंदूर में उनके अनुकरणीय प्रदर्शन की सराहना की और सभी रैंकों की उनकी व्यावसायिकता, समर्पण और दृढ़ता के लिए सराहना की। उन्होंने लगातार विकसित हो रहे सुरक्षा परिदृश्य के प्रति चुस्त और उत्तरदायी बने रहने के महत्वपूर्ण महत्व पर जोर दिया, निरंतर सतर्कता, परिचालन तैयारियों और संस्थागत लचीलेपन की आवश्यकता को दोहराया।

दिल्ली में उद्योग भवन को बम से उड़ाने की मिली धमकी, खाली कराया गया परिसर

नई दिल्ली (एजेन्सी)। नई दिल्ली स्थित उद्योग भवन में एक धमकी भरे ईमेल के बाद अलर्ट जारी कर दिया गया, जिसमें इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) से संभावित बम हमले की चेतावनी दी गई थी। भारी उद्योग मंत्रालय के सचिव को संबोधित यह ईमेल प्राप्त हुआ, जिसमें दावा किया गया था कि उद्योग भवन परिसर में आत्मघाती आईईडी का इस्तेमाल किया जाएगा। उद्योग भवन राष्ट्रीय राजधानी के उच्च सुरक्षा वाले क्षेत्र में स्थित है, जहां संसद भवन, राष्ट्रपति भवन और कई अन्य केंद्रीय सरकारी कार्यालय और मंत्रालय स्थित हैं। इस भवन में भारी उद्योग मंत्रालय और अन्य सरकारी विभाग स्थित हैं। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए केंद्रीय सचिव ने सीआईएसएफ (केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल) के सहायक कमांडेंट को तत्काल और उचित कार्रवाई करने का निर्देश देते हुए निर्देश जारी किया। एहतियात के तौर पर भवन को खाली करा लिया गया।

सम्पादकीय

देश में फिर से कोरोना...

देश में कोरोना की भयावह पदचाप फिर सुनाई देने लगी है और फिलहाल ये आहट धीमी है, लेकिन कब खौफनाक धमक में बदल जाए, कहा नहीं जा सकता। आंकड़ों के मुताबिक बुधवार दोपहर तक 1083 एक्टिव कोरोना केस पाए गए, हालांकि सुबह यह संख्या 1047 थी, यानी बढ़ोत्तरी का सिलसिला शुरू हो गया है। बताया जा रहा है कि महाराष्ट्र में 66 और उत्तर प्रदेश में 10 नए मामले सामने आए हैं। दक्षिण और प.भारत के राज्यों के बाद अब पूर्वी और उत्तरपूर्वी राज्यों में भी कोरोना ग्रसित मरीज पाए गए हैं। इससे मरने वालों की संख्या भी अब 12 तक पहुंच गई है। बता दें कि स्वास्थ्य मंत्रालय के 26 मई तक के आंकड़ों के मुताबिक तब देश में 1010 एक्टिव केस थे, लेकिन अब इसकी संख्या बढ़ गई है और साथ ही कोरोना के 4 नए वैरिएंट की पहचान भी हुई है। दक्षिण और पश्चिम भारत से जिन वैरिएंट की पहचान हुई है, उनमें एलएफ 7, एक्सएफजी, जेएन.1 और एनबी1.8.1 शामिल हैं। अब बाकी जगहों से नमूने लेकर नए वैरिएंट की पड़ताल की जा रही है। कोरोना के नए मामलों को लेकर एम्स के पूर्व डायरेक्टर, डॉक्टर रणदीप गुलेरिया ने कहा है कि नए वेरिएंट के मामले बढ़ रहे हैं, लेकिन अभी गंभीर खतरा नहीं है। वहीं भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के महानिदेशक डॉ. राजीव बहल ने सोमवार को कहा कि संक्रमण को लेकर गंभीरता की स्थिति अभी तक आमतौर पर हल्की है और चिंता की कोई बात नहीं है। यह सही है कि अब तक महामारी की बात सामने नहीं आई है, लेकिन जो अब तक 12 मौतें हुई हैं, क्या उसके बाद भी अतिरिक्त सतर्कता बरतने की जरूरत नहीं है। दूध का जला छाछ भी फूंक-फूंक कर पीता है, यह पुरानी कहावत है। लेकिन हम जले ही नहीं, झुलसे हुए हैं। याद कीजिए कोरोना की दूसरी लहर के भयावह मंजर को। जब अस्पतालों के बाहर लंबी कतारें लग गई थीं कि एक बिस्तर मिल जाए, एक ऑक्सीजन सिलेंडर मिल जाए, ताकि मरीज की उखड़ती सांसों को आसरा दिया जा सके। एक महिला किस तरह अपने पति को एंबुलेंस में मुंह से सांस देने की कोशिश कर रही थी, वह दृश्य कैसे भूला जा सकता है। श्मशानों से देर रात तक चिताओं से लपटें उठा करती थीं, वहां भी मुर्दे जलाने के लिए कतार लगी रहती थी। जिन शवों को रीति के अनुसार अंतिम संस्कार नसीब नहीं हुआ, उन्हें गंगा की गोद में सौंप दिया गया। सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स पर रोजाना किसी परिचित की मौत की खबर देखने मिलती थी। कितनी दारुण यादें हैं, कहां तक गिनाएं? लेकिन क्या हमारी याददाश्त इतनी कमजोर हो चुकी है कि तीन साल पुरानी बात हम भूल गए हैं। सरकार ने पहली लहर के वक्त लापरवाही दिखाई तो उसका भुगतान दूसरी लहर में करना पड़ा। अब फिर से क्या वही लापरवाही दिखाई जा रही है, यह सोचने वाली बात है। प्रधानमंत्री मोदी 29-30 मई को उप्र और बिहार दौरे पर रहेंगे। उनकी प्राथमिकता इस समय ऑपरेशन सिंदूर को भुनाना है, जिसके लिए वे रोड शो करेंगे। इसके अलावा बिहार चुनाव का मंच सजाना भी भाजपा की तरफ से उनके ही जिम्मे है, तो वे चाहेंगे कि अच्छी-खासी भीड़ जुटे। पांच साल पहले भी इसी तरह बिहार चुनाव कोरोना के बीच ही संपन्न हुए थे। उसका कितना खामियाजा आम जनता ने भुगता होगा, पता नहीं। लेकिन श्री मोदी के लिए तब भी चुनाव में जीत महत्वपूर्ण थी, अब भी वही आलम है। अलबत्ता प्रधानमंत्री के दौरे के मद्देनजर राज्य का स्वास्थ्य विभाग भी सतर्क है। निर्देश दिया गया है कि श्री मोदी के 100 मीटर के दायरे में रहने वाले सभी लोगों की कोरोना जांच होगी। अब सोचने वाली बात है कि जब प्रधानमंत्री के स्वास्थ्य को लेकर यह सतर्कता बरती जा रही है, तो आम नागरिकों के लिए क्यों यही रवैया नहीं दिखाया जा रहा। कम से कम सरकार की तरफ से सही सूचना और कोरोना से बचने के सही दिशा-निर्देश तो तत्काल व्यापक स्तर पर प्रचारित-प्रसारित करने शुरू कर देने चाहिए। सरकार को यह भी बताना चाहिए कि कोरोना टीकाकरण क्या अब निष्प्रभावी हो गया है, क्योंकि आम जनता यही मानकर चलती है कि एक बार टीका लग गया तो फिर उसे दोबारा वह बीमारी नहीं होगी। हालांकि टीकाकरण के बाद अचानक चलते-फिरते जो अकाल मौतें हुई हैं, उसका कोई तार्किक कारण भी अब तक सामने नहीं आया है कि एकदम से देश में दिल के दौरे लोगों को क्यों पड़ने लगे। बहरहाल, सरकार ने बड़े जोर शोर से आरोग्य सेतु ऐप और कोविन ऐप भी पेश किए थे, जिनमें निजी डेटा लीक होने की आशंका के बावजूद लोगों ने डाउनलोड कर अपनी जानकारियां उसमें भरीं। लेकिन वह सारी कवायद क्या अब बेकार हो चुकी है, या ऐसे ऐप्स अब भी कारगर हैं, ये भी सरकार को बताना चाहिए। क्योंकि अभी दो-चार नामी डॉक्टरों के बयान ही आए हैं, जिनमें नए वैरिएंट के लक्षण, प्रभाव आदि की जानकारी मिली है और बताया गया है कि चिंता की बात नहीं है। लेकिन जिस तेजी से मामले बढ़ रहे हैं, उसमें चिंता होनी स्वाभाविक है। सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि प्रधानमंत्री ने अब तक इस बारे में कोई संदेश नहीं दिया है। वे रोड शो करते हैं, जनसभाएं करते हैं, तो उनमें लोगों को आगाह भी कर सकते हैं। मगर उनकी प्राथमिकता में फिलहाल कोरोना से बचाव नहीं दिख रहा है। पहले भी उनके नमस्ते ट्रंप के आयोजन, अचानक लॉकडाउन का फैसला, ताली-थाली बजाना, दिए जलाना जैसे अविचारित फैसलों ने समस्या को समाधान से दूर किया था और जनता के सामने अकाल मौत खड़ी हो गई थी।

जयंती

अहिल्याबाई होल्कर

जन्मः 31 मई, 1725; मृत्युः 13 अगस्त, 1795) मल्हारराव होल्कर के पुत्र खंडेराव की पत्नी थीं। अहिल्याबाई किसी बड़े राज्य की रानी नहीं थीं, लेकिन अपने राज्य काल में उन्होंने जो कुछ किया वह आश्चर्यचकित करने वाला है। वह एक बहादुर योद्धा और कुशल तीरंदाज थीं। उन्होंने कई युद्धों में अपनी सेना का नेतृत्व किया और हाथी पर सवार होकर वीरता के साथ लड़ीं।

पुण्यतिथि

द्वारका प्रसाद मिश्रा

जन्म-5 अगस्त, 1901, उन्नाव, उत्तर प्रदेश; मृत्यु-31 मई, 1988, दिल्ली) भारत के प्रसिद्ध राजनेता, स्वतंत्रता सेनानी, पत्रकार और साहित्यकार थे। उन्होंने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री पद को भी सुशोभित किया था। द्वारका प्रसाद मिश्रा महात्मा गाँधी के 'असहयोग आन्दोलन' से जुड़ गये थे। राष्ट्रवादी आन्दोलनों में उन्होंने सक्रियता से अपना योगदान दिया था। जवाहरलाल नेहरू से मतभेदों के कारण इन्हें तेरह वर्षों तक राजनीतिक वनवास भोगना पड़ा। इन्होंने कई ऐतिहासिक शोध ग्रंथ भी लिखे थे। हिन्दी, अंग्रेजी, उर्दू और संस्कृत साहित्य से द्वारका प्रसाद जी को बहुत लगाव था।

कल मिलेंगे

शॉन्टी मोबाइल कंपनी में इंटरव्यू देने गया
पहले सवाल पर ही उसे भगा दिया गया...
सवाल-सबसे मशहूर नेटवर्क कौन सा है?
शॉन्टी-कार्टून नेटवर्क!

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।

RNI No. : DELHIN/2016/70240

Phone No.: 9871221635

E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com

(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

हिन्दी पत्रकारिता को व्यवसाय नहीं, मिशन बनाना होगा

हिन्दी पत्रकार एवं पत्रकारिता कई संकटों का सामना कर रहे हैं-संघर्ष और हिंसा, आतंक एवं अलगाव, साम्प्रदायिकता एवं अंधधार्मिकता, युद्ध एवं राजनीतिक वर्चस्व, गरीबी एवं बेरोजगारी, लगातार सामाजिक-आर्थिक असमानताएँ, पर्यावरणीय संकट और लोगों के स्वास्थ्य और भलाई के लिए चुनौतियाँ आदि जटिलतर स्थितियों के बीच हिन्दी पत्रकारों की महत्वपूर्ण भूमिका है

-ललित गर्ग

भारत में हिन्दी पत्रकारिता की न केवल आजादी के संघर्ष में बल्कि उससे पूर्व के गुलामी की बेड़ियों में जकड़े राष्ट्र की संकटपूर्ण स्थितियों में महत्वपूर्ण भूमिका रही है, नये बनते भारत में यह भूमिका अधिक महसूस की जा रही है, क्योंकि तब से आज तक समाज की आवाज उठाने, सत्ता से सवाल पूछने और जनभावनाओं को मंच देने में इसका योगदान अविस्मरणीय रहा है। हिंदी पत्रकारिता या स्थानीय पत्रकारिता, लोगों को उनकी भाषा में जानकारी उन तक पहुँचाता है और देश भर में ज्ञान के व्यापक प्रसार को सुगम बनाता है। हर साल 30 मई को हिंदी पत्रकारिता दिवस मनाया जाता है, दरअसल दो शताब्दी पूर्व ब्रिटिशकालीन भारत में जब तत्कालीन हिन्दुस्तान में दूर दूर तक मात्र अंग्रेजी, फारसी, उर्दू एवं बांग्ला भाषा में अखबार छपते थे, तब देश की राजधानी ह्लकलकत्ताह्व से हिन्दी भाषा में उदन्त मार्तण्ड के नाम से पहला हिन्दी समाचार पत्र वर्ष 1826 को छपा था। पंडित जुगल किशोर शुक्ल ने इसे साप्ताहिक के तौर पर शुरू किया था। इसके प्रकाशक और संपादक भी वे खुद थे। भले ही अब यह समाचार पत्र बंद हो गया है, लेकिन इसने हिंदी पत्रकारिता के सूर्य को उदित कर दिया था जो आज भी देदीप्यमान है।

उन्नीसवीं शताब्दी के अंत और बीसवीं शताब्दी के प्रारंभ में हिंदी के अनेक दैनिक समाचार पत्र निकले जिनमें हिन्दुस्तान, भारतोदय, भारतमित्र, भारत जीवन, अभ्युदय, विश्वमित्र, आज, प्रताप, विजय, वीर अर्जुन आदि प्रमुख हैं। बीसवीं शताब्दी के चौथे-पांचवें दशकों में अमर उजाला, आर्यावर्त, नवभारत टाइम्स, नई दुनिया, जागरण, पंजाब केसरी, नव भारत आदि प्रमुख हिंदी दैनिक समाचार पत्र सामने आए। लोकतंत्र में मीडिया चौथे स्तंभ के रूप में खड़ा है, पत्रकारिता एक ऐसा माध्यम है जिसके माध्यम से हम देश की वर्तमान स्थिति से अवगत रहते हैं। पत्रकार अथक परिश्रम करते हैं, ताकि समाचार हमारे घर तक तुरंत पहुंचे। चाहे अखबारों के जरिए हो, टीवी चैनलों के जरिए हो या सोशल मीडिया के व्यापक प्रभाव के जरिए, नित-नये बनते एवं बदलते समाज में पत्रकारिता की शक्ति को कम करके नहीं आंका जा सकता। यह हमारे दृष्टिकोण को व्यापक बनाने और सूचित संवाद को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

हिन्दी पत्रकारिता में क्रांतिकारिता का रंग गणेश शंकर विद्यार्थी ने भरा था। उन्होंने उत्तर प्रदेश के कानपुर शहर से 9 नवंबर 1913 को 16 पृष्ठ का प्रताप समाचार पत्र शुरू किया था। यह काम शिव नारायण मिश्र, गणेश शंकर विद्यार्थी, नारायण प्रसाद अरोड़ा और कोरोनेशन प्रेस के मालिक यशोदा नंदन ने मिलकर किया था। शिव नारायण मिश्र और गणेश शंकर विद्यार्थी ने प्रताप को अपनी कर्मभूमि बना लिया। विद्याथीर्जी के समाचार पत्र प्रताप से क्रांतिकारियों को काफी बल मिला। मुंशी प्रेमचंद महा- लेखक-कहानीकार होने के साथ-साथ हिन्दी के क्रांतिकारी एवं जुझारू पत्रकार थे, उनकी पत्रकारिता भी क्रांतिकारी थी, लेकिन उनके पत्रकारीय योगदान को लगभग भूला ही दिया गया है। जंगे-आजादी के दौर में उनकी पत्रकारिता ब्रिटिश हुकूमत के विरुद्ध ललकार की पत्रकारिता थी। वे समाज की कुरीतियों एवं आडम्बरों पर प्रहार करते थे तो नैतिक मूल्यों की वकालत भी करते थे। मेरा सौभाग्य है कि मैं राजस्थान के यशस्वी पत्रकार स्व. श्रीरामस्वरूप गर्ग के पुत्र होने के नाते विरासत में पत्रकारिता के मूल्यों को आत्मसात करने का मौका मिला। उन्होंने 1936 एवं उसके बाद के दौर में राष्ट्रवाणी एवं परिवर्तन जैसी पत्रिकाओं का प्रकाशन एवं सम्पादन किया। वे राजस्थान के प्रतिष्ठित दैनिक नवज्योति के साप्ताहिक रूप में निकले प्रारंभिक अंकों के सम्पादक रहे। इसका प्रारंभ पण्डित जवाहरलाल नेहरू के निजी सचिव रहे श्री रामनारायण चौधरी ने किया था।

आज जबकि हिन्दी देश एवं दुनिया में सर्वाधिक बोली एवं प्रयोग की जाने वाली तीसरी भाषा बन चुकी है, ऐसे में सहज ही हिन्दी पत्रकारिता का मूल्य बढ़ा है। निस्संदेह, सजग, सतर्क और निर्भीक हिन्दी पत्रकार एवं पत्रकारिता एक सशक्त विपक्ष की भूमिका निभाकर सत्ताधीशों को राह ही दिखाता है। अकबर इलाहाबादी ने इसकी ताकत एवं महत्व को इन शब्दों में अभिव्यक्ति दी है कि न खींचो कमान, न तलवार निकालो, जब तोप हो मुकाबिल तब अखबार निकालो। उन्होंने इन पंक्तियों के जरिए हिन्दी पत्रकारिता को तोप और तलवार से भी शक्तिशाली बता कर इनके इस्तेमाल की बात कह गए हैं। अर्थात कलम को हथियार से भी ताकतवर बताया गया है। पर खबरनवीसों की कलम को तोड़ने, उन्हें कमजोर करने एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को निस्तेज करने के लिए बुरी एवं स्वार्थी ताकतें सत्ता, तलवार और तोप का इस्तेमाल कर रही हैं। लेकिन तलवार से भी धारदार कलम इसीलिये इतनी प्रभावी है कि इसकी वजह से बड़े-बड़े राजनेता, उद्योगपतियों और सितारों को अर्श से फर्श पर आना पड़ा।

हिन्दी पत्रकार एवं पत्रकारिता कई संकटों का सामना कर रहे हैं-संघर्ष और हिंसा, आतंक एवं अलगाव, साम्प्रदायिकता एवं अंधधार्मिकता, युद्ध एवं राजनीतिक वर्चस्व, गरीबी एवं बेरोजगारी, लगातार सामाजिक-आर्थिक असमानताएँ, पर्यावरणीय संकट और लोगों के स्वास्थ्य और भलाई के लिए चुनौतियाँ आदि जटिलतर स्थितियों के बीच हिन्दी पत्रकारों की महत्वपूर्ण भूमिका है। लोकतंत्र, कानून के शासन और मानवाधिकारों को आधार देने वाली संस्थाओं पर गंभीर प्रभाव के कारण ही यह भूमिका महत्वपूर्ण है। बावजूद इसके हिन्दी पत्रकारिता की स्वतंत्रता, पत्रकारों की सुरक्षा और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर लगातार हमले हो रहे हैं। कभी-कभी भारत में हिन्दी पत्रकारिता की स्वतंत्रता पर सख्त पहरे जैसा भी प्रतीत होता है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। जबकि बड़ी सचाई है कि इन्हीं पत्रकारों के बल पर हमें आजादी मिली है। पत्रकारिता लोकहित में सरकार को कदम उठाने का रास्ता सुझाती रहती है, इसीलिए उसकी विश्वसनीयता होती है। मगर सरकारें जब उसके मूल स्वभाव को ही बदलने का प्रयास करती हैं, तो उसकी विश्वसनीयता पर प्रहार करती हैं। ऐसे में पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तंभ न होकर प्रचारतंत्र में तब्दील होने लगती है। पत्रकारिता आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक विसंगतियों को दूर करने में मदद करती है। उसका लाभ उठाने के बजाय अगर उसका गला घोटने का प्रयास होगा, तो सही अर्थों में विकास का दावा नहीं किया जा सकता, नया भारत-सशक्त भारत निर्मित नहीं किया जा सकता। अगर कोई सरकार सचमुच उदारवादी और लोकतांत्रिक होगी, तो वह आलोचना से कुछ सीखने का प्रयास करेगी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भी हिन्दी पत्रकारिता के प्रति हमारे अविश्वसनीय समर्थन को दोहराने की बात कही है जो लोकतंत्र के लिए बेहद जरूरी है।

हिन्दी पत्रकारिता कभी मिशन था, आज व्यवसाय बन गया है। आजादी के आंदोलन तक मिशन रहा। धीरे-धीरे इसमें व्यापारी आने लगे। औद्योगिक घराने उतर गए। इनका उद्देश्य समाज सेवा नही रहा, व्यापार हो गया। ये व्यापार करने लगे। वह छापने लगे जिससे इन्हें लाभ हो। डिजिटल युग में टीआरपी और व्यूज ही सफलता का पैमाना बन गए हैं। गंभीर पत्रकारिता की जगह सनसनीखेज खबरें, गॉसिप, और डिबेट तमाशों ने ले ली है। तथ्य की जगह धारणा, विश्लेषण की जगह उत्तेजना, और संवाद की जगह शोर ने कब्जा कर लिया है। एंकर शोर मचाकर चीखकर पाठकों को आकर्षित करन में लगे हैं। हिन्दी पत्रकारिता ऐसी अनेक चुनौतियों एवं विसंगतियों का सामना कर रही है। बीते कुछ वर्षों में पत्रकारिता का स्तर चिंताजनक रूप से गिरा है, जबकि पत्रकारों की प्रसिद्धि, प्रभाव और पहुंच पहले से कहीं अधिक बढ़ी है। यह विरोधाभास क्यों? पत्रकार बड़े होते जा रहे हैं, पर पत्रकारिता एवं उसके मूल्य-मानक क्यों सिकुड़ रहे है? आज फेसबुक पत्रकार, न्यूज पोर्टल चलाने वाले पत्रकार, यूट्यूब चैनल चलाने वाले पत्रकारों की देश में बाढ़ सी आ गई है। टीवी पत्रकारिता का वर्चस्व बढ़ रहा है, बड़े एवं बहु-संस्करणों के दैनिक अखबार भी तेजी से बढ़ रहे हैं। आन लाइन समाचार पत्रों की रोज गिनती बढ़ती जा रही है। जिसे देखो पत्रकारिता कर रहा है। इतना सब होने के बावजूद पिछले कुछ साल में खबर एवं हिन्दी पत्रकारिता की विश्वसनीय घटी है। पत्रकारिता का स्तर गिरा है। पत्रकार का सम्मान घटा है। पहले माना जाता कि अखबार में छपा है तो सही होगा, किंतु मीडिया में आई खबर की आज कोई गारंटी देने को तैयार नहीं। पहले हिन्दी पत्रकारिता वैचारिक-क्रांति होती थी, आज खबर प्रधान बन गयी है, विचार लुप्त है। हिन्दी पत्रकारिता दिवस मनाना तभी सार्थक होगा जब उसे व्यवसाय नहीं, मिशन के तौर पर नये व्यक्ति, नये समाज, नये राष्ट्र का प्रेरक बनायेंगे।

लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

जनसंचार का सशक्त माध्यम है हिन्दी पत्रकारिता

घर बैठे-बैठे दुनिया की सैर कराने की बात हो या देश-विदेश की हर छोटी-बड़ी हलचल से लेकर तमाम ज्वलंत मुद्दों और हर प्रकार की नवीनतम जानकारियों को जुटाकर अपने पाठकों या दर्शकों के सामने प्रस्तुत करने की, व्यवसायीकरण के आरोपों या तमाम विरोधाभासों के बावजूद हिन्दी पत्रकारिता यह काम बखूबी कर रही है और आमजन के भरोसे पर खरा उतरते हुए हिन्दी पत्रकारिता आज आम जनजीवन का अभिन्न अंग बन चुकी है

-योगेश कुमार गोयल

पूर्व राष्ट्रपति डा. शंकर दयाल शर्मा ने लोकतंत्र में प्रेस की भूमिका के बारे में कहा था कि प्रेस पर लोकतांत्रिक परम्पराओं की रक्षा करने और शांति व भाईचारा बढ़ाने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। राष्ट्रीय अखण्डता के संदर्भ में पत्रकारिता की भूमिका की बात करें तो लोकतंत्र के अन्य स्तंभों के मुकाबले प्रेस की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि विश्वभर में भारत की प्रतिष्ठा के जो तीन प्रमुख कारण माने गए हैं, वे हैं जागरूक मतदाता, स्वतंत्र न्यायपालिका व स्वतंत्र प्रेस। भारत में प्रेस को जनता की एक ऐसी संसद की उपाधि दी गई है, जिसका कभी सत्रावसान नहीं होता और जो सदैव जनता के लिए ही कार्य करती है। इसे समाज में परिवर्तन लाने का अथवा उसे जागृत करने के लिए जन संचार का सशक्त माध्यम माना गया है। प्रेस को समाज की चिंतन प्रक्रिया का एक ऐसा अनिवार्य तत्व माना गया है, जो उसे दिशा व गति देने में सक्षम हो। इसे जनता की ऐसी आंख माना गया है, जो सभी पर अपनी पैनी और निष्पक्ष दृष्टि रखे। प्रेस को जनता की उंगली माना गया है, जो गलत कार्यों के विरोध में स्वतः ही उठ जाती है। प्रेस को समाज के प्रति पूर्ण समर्पण के रूप में देखा जाता है। इसे केवल एक पेशा न मानकर जनसेवा का सबसे बड़ा माध्यम माना गया है।

प्रेस की भूमिका पर टिप्पणी करते हुए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा था, प्रेस का प्रथम उद्देश्य जनता की इच्छाओं व विचारों को समझना और उन्हें सही ढ़ंग से व्यक्त करना है जबकि दूसरा उद्देश्य जनता में वांछनीय भावनाओं को जागृत करना और तीसरा उद्देश्य सार्वजनिक दोषों को निर्भयतापूर्वक प्रकट करना है। वैसे भारत-पाक युद्ध का उल्लेख करें अथवा भारत-चीन लड़ाई का या अन्य चुनौतीपूर्ण अवसरों का, प्रेस ने ऐसे हर अवसर पर अपनी महत्ता सिद्ध की है और कहना गलत न होगा कि हिन्दी पत्रकारिता का स्थान इसमें सर्वोपरि रहा है। चाहे हिन्दी भाषी टीवी चैनलों की बात हो या हिन्दी के समाचारपत्र अथवा पत्रिकाओं की, उनका देश की बहुसंख्यक आबादी के साथ विशेष जुड़ाव रहा है और इस दृष्टि से राष्ट्र की एकता, अखण्डता एवं विकास की दिशा में हिन्दी पत्रकारिता की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हालांकि हिन्दी पत्रकारिता के 199 वर्षों के इतिहास में समय के साथ पत्रकारिता के मायने और उद्देश्य बदलते रहे हैं किन्तु उसके बावजूद सुखद स्थिति यह है कि हिन्दी पत्रकारिता के पाठकों या दर्शकों की रूचि में कोई कमी नहीं आई। यह अलग बात है कि अंग्रेजी मीडिया और उससे जुड़े कुछ पत्रकारों ने भले ही हिन्दी पत्रकारिता की उपेक्षा करते हुए सदैव उसकी प्रामाणिकता एवं विश्वसनीयता पर सवाल उठाने की कोशिशें की हैं किन्तु वास्तविकता यही है कि पिछले कुछ दशकों में हिन्दी पत्रकारिता ने अपनी ताकत का बखूबी अहसास कराया है और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी उसकी विश्वसनीयता बढ़ी है। यह हिन्दी पत्रकारिता की बढ़ती ताकत का ही नतीजा है कि कुछ हिन्दी अखबारों ने अनेक संस्करणों के साथ प्रसार संख्या के मामले में कुछ अंग्रेजी अखबारों को भी पीछे छोड़ दिया है। हिन्दी पत्रकारिता की शुरूआत 30 मई 1826 को कानपुर निवासी पं. युगुल किशोर शुक्ल द्वारा प्रथम हिन्दी समाचार पत्र उदन्त मार्तण्ड के प्रकाशन के साथ हुई थी, जिसका अर्थ था समाचार सूर्य। उस समय अंग्रेजी, फारसी और बांग्ला में कई समाचारपत्र निकल रहे थे किन्तु हिन्दी का पहला समाचारपत्र उदन्त मार्तण्ड 30 मई 1826 को कलकत्ता से पहली बार प्रकाशित हुआ था, जो साप्ताहिक के रूप में आरंभ किया गया था। पहली बार उसकी केवल 500 प्रतियां ही छापी गई थी लेकिन चूंकि कलकत्ता में हिन्दी भाषियों की संख्या काफी कम थी और इसके पाठक कलकत्ता से बहुत दूर के भी होते थे, इसीलिए संसाधनों की कमी के कारण यह लंबे समय तक प्रकाशित नहीं हो पाया। 4 दिसम्बर 1826 से उदन्त मार्तण्ड का प्रकाशन बंद कर दिया गया लेकिन इस समाचारपत्र के प्रकाशन के साथ ही हिन्दी पत्रकारिता की ऐसी नींव रखी जा चुकी थी कि उसके बाद से हिन्दी पत्रकारिता ने अनेक आयाम स्थापित किए हैं। उदन्त मार्तण्ड के बाद अंग्रेजी शासनकाल में अनेक हिन्दी समाचारपत्र व पत्रिकाएं एक मिशन के रूप में निकलते गए किन्तु ब्रिटिश शासनकाल की ज्यादतियों के चलते उन्हें लंबे समय तक चलाते रहना बड़ा मुश्किल था, फिर भी कुछ पत्र-पत्रिकाओं ने सराहनीय सफर तय किया। अब परिस्थितियां बिल्कुल बदल चुकी हैं और हिन्दी पत्रकारिता भी मिशन न रहकर एक बड़ा व्यवसाय बन गई है किन्तु अच्छी बात यह है कि आज भी हिन्दी पाठक व दर्शक अपनी-अपनी पसंद के अखबारों व चैनलों के साथ पूरी शिद्दत से जुड़े हैं।

बहरहाल, घर बैठे-बैठे दुनिया की सैर कराने की बात हो या देश-विदेश की हर छोटी-बड़ी हलचल से लेकर तमाम ज्वलंत मुद्दों और हर प्रकार की नवीनतम जानकारियों को जुटाकर अपने पाठकों या दर्शकों के सामने प्रस्तुत करने की, व्यवसायीकरण के आरोपों या तमाम विरोधाभासों के बावजूद हिन्दी पत्रकारिता यह काम बखूबी कर रही है और आमजन के भरोसे पर खरा उतरते हुए हिन्दी पत्रकारिता आज आम जनजीवन का अभिन्न अंग बन चुकी है। अधिकांश हिन्दी समाचारपत्रों के अब ऑनलाइन संस्करण उपलब्ध हैं। विगत कुछ वर्षों में देश में बड़े-बड़े घोटालों का पदार्फाश करके अनेक सफेदपोशों के चेहरों पर पड़े नकाब उतार फैंकने का श्रेय भी पत्रकारिता जगत को ही जाता है, जिसमें हिन्दी पत्रकारिता की भूमिका को भी किसी भी लिहाज से कमतर नहीं आंका जा सकता।

जहां तक राष्ट्रीय अखंडता में प्रेस की भूमिका और इसके दायित्वों का प्रश्न है तो प्रेस के कई प्रमुख दायित्व माने गए हैं, जिनमें कानून व्यवस्था की खामियों को प्रकाशित-प्रसारित करना, अपने प्रयासों से शासन को सुव्यवस्थित करना व लोक हितकारी बनाना, पथभ्रष्टों को सन्मार्ग पर लाना, भ्रष्ट तंत्र को चौकन्ना बनाना, असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखना, समाज के विभिन्न क्षेत्रों में पर्दे की ओट में होने वाले दुष्कृत्यों, अत्याचारों व अन्याय का जनहित में पदार्फाश करना, समाज व मानवता के गुनाहगार चेहरों पर पड़े नकाब नोचकर जनता के सामने लाना, निजी स्वार्थों की पूर्ति के लिए धार्मिकता एवं राजनीति की आड़ लेने वालों के राज पर्दाफाश करना, समाज में स्वस्थ मानक स्थापित करना, लोक चेतना जागृत करना इत्यादि शामिल हैं। वर्तमान में जहां देशभर में नैतिक मूल्यों में बड़ी गिरावट आई है और राजनीतिज्ञों, विधायिका, कार्यपालिका तथा न्यायिक व्यवस्था पर से लोगों का विश्वास कम हो रहा है, वहीं हिन्दी पत्रकारिता भी इस नैतिक पतन का शिकार होने से नहीं बची है। फिर भी इतना संतोष तो किया ही जा सकता है कि इसने इसके बावजूद अधिकांश अवसरों पर सराहनीय भूमिका निभाई है। हालांकि आज के पूर्ण व्यावसायिकता के दौर में पत्रकारिता को अव्यावसायिक बनाए रखने की बात करना बेमानी होगा क्योंकि इस पेशे से जुड़े लोगों को भी अपने परिवार के पालन-पोषण के लिए इसे एक व्यवसाय के रूप में अपनाना अनिवार्य होता गया है लेकिन व्यावसायिकता के इस दौर में भी इसे एक उद्योग-धंधे के रूप में स्थापित करने के प्रयासों के चलते पत्रकारिता के मानदंडों को ताक पर रखने की प्रवृति से तो हर हाल में बचना ही चाहिए।

(लेखक 35 वर्षों से हिन्दी पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

अमेरिकी दबाव में झुका इजरायल, सीजफायर को तैयार, हमास ने फंसाया पेंच

(एजेन्सी)।

इजरायल ने गाजा में अस्थायी संघर्ष विराम के अमेरिकी प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। इजरायली मीडिया के मुताबिक प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बंधकों के परिवारों से मुलाकात के दौरान ये जानकारी दी। व्हाइट हाउस ने भी इसकी पुष्टि कर दी है। संयुक्त राज्य अमेरिका ने गाजा में चल रहे युद्ध को रोकने के उद्देश्य से एक नई 60-दिवसीय युद्ध विराम योजना प्रस्तावित की है। इस योजना में बंधकों और फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई और हमास द्वारा समझौते पर सहमत होने के बाद बंद किए गए एन्क्लेव में मानवीय सहायता की तत्काल डिलीवरी शामिल है। प्रस्तावित योजना के तहत, हमास पहले सप्ताह के भीतर 28 इजरायली बंधकों को रिहा करेगा। जबकि इजरायल आजीवन कारावास की सजा पाए 125 फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा करेगा और 180 फिलिस्तीनियों के अवशेष सौंपेगा। इस योजना का समर्थन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और मध्यस्थ मिस्र और कतर द्वारा किया गया है। योजना के अनुसार, एक स्थायी युद्ध विराम हमास द्वारा पकड़े गए शेष 30 बंधकों की रिहाई को गति देगा।

व्हाइट हाउस ने गुरुवार को पुष्टि की कि इजरायल ने अमेरिका समर्थित युद्धविराम प्रस्ताव पर सहमति जताई है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कथित तौर पर बंधकों के परिवारों को सूचित किया कि उनकी सरकार ने शर्तों को स्वीकार कर लिया है। हालांकि, हमास ने सतर्क प्रतिक्रिया दी है। मसौदे की समीक्षा करते हुए, समूह ने चिंता व्यक्त की कि प्रस्ताव प्रमुख मांगों को पूरा नहीं करता है। हमास के एक वरिष्ठ अधिकारी बासेम नैम ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि मसौदा हमारे लोगों की किसी भी मांग का जवाब नहीं देता है, जिनमें से सबसे प्रमुख युद्ध और अकाल को रोकना है। हमास के एक अन्य वरिष्ठ अधिकारी समी अबू जुहरी ने रॉयटर्स को बताया कि प्रस्ताव की शर्तें इजरायल की स्थिति को दशार्ती हैं और इसमें युद्ध समाप्त करने, इजरायली सैनिकों को वापस बुलाने या पर्याप्त सहायता सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता शामिल नहीं है।

डोनाल्ड ट्रम्प को टैरिफ मामले में मिली अस्थायी राहत

(एजेन्सी)।

अमेरिका में टैरिफ मुद्दे के बीच, संघीय अपील अदालत ने गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को आपातकालीन शक्तियों के कानून के तहत टैरिफ एकत्र करना जारी रखने की अनुमति दी, क्योंकि उनका प्रशासन उनकी आर्थिक नीतियों के बड़े हिस्से को रद्द करने के आदेश के खिलाफ अपील कर रहा है। संघीय सर्किट के लिए अपील न्यायालय ने ट्रम्प प्रशासन की आपातकालीन याचिका को स्वीकार कर लिया, जिसमें तर्क दिया गया कि रोक लगाना देश की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है।

अपील न्यायालय ने एक दिन पहले जारी संघीय व्यापार न्यायालय के आदेश को अस्थायी रूप से रोक दिया। ट्रम्प कई मुकदमों का स

हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष ने दी 4 करोड़ 44 लाख रुपये की तीन परियोजनाओं की सौगात

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने शुक्रवार को क्षेत्र की जनता को बड़ी सौगात देते हुए 4 करोड़ 44 लाख रुपये की तीन परियोजनाओं का शिलान्यास किया। उन्होंने गांव दहा और अशोक विहार कॉलोनी में लोगों की समस्याएं भी सुनी और संबंधित अधिकारियों को उनके निपटारे के निर्देश दिए। इस दौरान संबोधित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि जनता के लिए उनके द्वार 24 घंटे खुले हैं। हलके का विकास उनकी प्राथमिकता है। आने वाले समय में न केवल लंबित कार्यों को पूरा कराया जाएगा बल्कि लोगों की जरूरत अनुसार नए प्रोजेक्ट भी शुरू किए जाएंगे।

विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने गांव दहा में तालाब के सौदर्यकरण का शिलान्यास किया। इस पर 86 लाख 33 हजार रुपये खर्च होंगे। कार्य पूरा करने की तिथि 13 सितंबर 2025 रखी गई हैं। इस तालाब में रेंप, सीढियां, फुटपाथ और रेन वाटर हार्वेस्टिंग बनाया जाएगा। विधानसभा अध्यक्ष ने नगर निगम अधिकारियों को निर्देश तालाब में छायादार पेड़ भी लगाने और तालाब के चारों ओर बाड़ भी लगाई जाए। उन्होंने गांव मदनपुर से दहा तक की सड़क का शिलान्यास भी किया। इस पर 284 लाख रुपये खर्च होंगे।

इस सड़क की लंबाई 21 सौ मीटर है। इसमें से 1500 मीटर की सड़क (चौड़ाई 6.38 मीटर) आठ इंच मोटाई के सीसी ब्लाक की और 600 मीटर कारपेट रोड (चौड़ाई 6.10 मीटर) की बनेगी। कार्य पूरा करने की तिथि 14 अगस्त निश्चित की गई है। सड़क के दोनों ओर रिटेनिंग वॉल भी बनाई जाएगी। लोगों ने स्पीकर से इस सडक पर स्ट्रीट लाईट की व्यवस्था करने की मांग की। इस पर श्री कल्याण ने निगम अधिकारियों को इस दिशा में उचित कदम उठाने के निर्देश दिए।

श्री कल्याण ने कहा कि इस सड़क को बनवाने की मांग काफी समय से की जा रही थी। सड़क का निर्माण पूरा होने से लोगों को बहुत फायदा होगा। तालाब के सौंदर्यकरण के बाद लोगों को यहां सैर करने की सुविधा उपलब्ध होगी। उन्होंने इसके बाद अशोक विहार कॉलोनी में कंबोपुरा से अशोक विहार कॉलोनी तक बनाए जाने वाले रास्ते का शिलान्यास किया। इस पर 73.73 लाख रुपये की लागत आएगा और निर्माण कार्य 14 अगस्त तक पूरा कर लिया जाएगा। इस रास्ते की लंबाई 560 मीटर व चौड़ाई 5.03 मीटर है।

गांव देहा में पत्रकारों द्वारा कल आयोजित किए जाने वाले नागरिक सुरक्षा अभ्यास संबंधी प्रश्न पर श्री कल्याण ने कहा कि लोगों को सरकार द्वारा जारी की जाने वाली एडवाइजरी पर अमल करना चाहिए। कोरोना के नये केस आने संबंधी प्रश्न पर कहा कि लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है लेकिन सरकार के निदेर्शों का पालन करते हुए एहतियात जरूर बरतनी चाहिए। उन्होंने अशोक विहार कालोनी में लोगों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को उनके निपटारे के निर्देश दिए।

मेयर रेणू बाला गुप्ता ने इस मौके पर लोगों से कहा कि सड़क निर्माण अथवा पार्क सौंदर्यकरण के मामले में निर्माण सामग्री की गुणवत्ता पर निगरानी रखें। कहीं कोई कमी नजर आए तो तुरंत संज्ञान में लाएं, उचित कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि हरियाणा की ट्रिपल इंजन सरकार के राज में तेजी से विकास कार्य हो रहे हैं। बिना किसी भेदभाव के चौतरफा विकास हो रहा है। नगर निगम करनाल के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र में जनता से जुड़ी समस्याओं का समाधान किया जा रहा है।

इस मौके पर पार्षद सुभाष कांबोज, अंमित तितोरिया, मंडल अध्यक्ष देवेंद्र शर्मा, महामंत्री सतबीर गोस्वामी, अजय राणा, मंजू खैंची, श्याम लाल शर्मा, मनजीत, सोहन चालिया आदि मौजूद रहे।

जिला पार्षद गुरदीप बीजना ने तीन साल पहले दिया था चैलेंज, छात्रों ने किया एक्सेप्ट, जीत ली स्कूटी

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। राजकीय उच्च विद्यालय बीजना के दो छात्रों को 90 प्रतिशत से ज्यादा अंक लाने पर स्कूटी देकर सम्मानित किया गया। स्कूल में पारितोषिक वितरण समारोह आयोजित किया गया जिसमें बतौर मुख्य अतिथि जिला परिषद चेयरपर्सन प्रतिनिधि सोहन सिंह राणा व जिला पार्षद गुरदीप बीजना सहित अन्य जिला पार्षद शामिल हुए।

कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। गांव बीजना के सरकारी स्कूल के छात्रों को गांव के ही जिला परिषद सदस्य गुरदीप बीजना ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर चैलेंज दिया था दसवीं कक्षा में गांव के स्कूल का जो छात्र 90 प्रतिशत से अधिक अंक लेगा उसको स्कूटी देकर सम्मानित किया जाएगा। जिस समय चैलेंज दिया गया उस समय स्कूल का रिजल्ट 56 प्रतिशत था।

छात्र-छात्राओं ने इस चैलेंज को स्वीकार किया और पिछले दो वर्षों में स्कूल का रिजल्ट 100 प्रतिशत रहा, लेकिन इस वर्ष दसवीं कक्षा के छात्र अंकुश ने 92 प्रतिशत तथा हैप्पी ने 91 प्रतिशत अंक हासिल किए जिसके चलते शुक्रवार को एक कार्यक्रम के दौरान दोनों छात्रों को स्कूटी दी गई इस दौरान जिला परिषद चेयरपर्सन पर प्रतिनिधि सोहन सिंह राणा ने छात्रों को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया और कहा सभी छात्र अगले वर्ष होने वाली परीक्षा के लिए अभी से जुट जाएं ताकि ज्यादा से ज्यादा छात्र यह पुरस्कार प्राप्त कर सकें। वहीं जिला परिषद सदस्य गुरदीप बीजना ने कहा कि उन्हें गर्व है की गांव के स्कूल के बच्चे मेहनत के बल पर अच्छे अंक प्राप्त कर रहे हैं, बच्चों के साथ-साथ स्कूल में पढाने वाले टीचर्स की मेहनत के कारण यह संभव हो पाया है।

भविष्य में भी बच्चे दोगुनी मेहनत करें ताकि गांव का नाम जिला और प्रदेश स्तर पर चमक सके। कार्यक्रम में मुख्य अध्यापक सुदर्शन कुमार सामाजिक अध्ययन अध्यापक सतपाल पंवार, पीटीआई श्रीमती सुशीला, हिंदी अध्यापक सुमन देवी, विज्ञान अध्यापक सोनू की मेहनत की प्रशंसा भी इस दौरान की गई। इस अवसर पर पार्षद विक्रम राणा पार्षद ईश्वर राणा एसएमसी प्रधान रामपाल सरपंच प्रतिनिधि मोहित त्यागी सहित बच्चों के अभिभावक उपस्थित रहे।

बाल विकास परियोजना अंतर्गत दी जा रही सेवाओं व योजनाओं में लापरवाही को लेकर डीएम ने लगाई फटकार

एसबी ब्यूरो प्रमुख/मृगांक शेखर सिंह

जमुई। जमुई के जिलाधिकारी अभिलाषा शर्मा की अध्यक्षता में समाहरणालय परिसर स्थित सभा कक्ष में जिले में बाल विकास परियोजना के तहत संचालित सेवाओं एवं योजनाओं की मासिक समीक्षा बैठक हुई।

बैठक में डीपीओ आईसीडीएस, परियोजनास्तरीय सीडीपीओ एवं महिला पर्यवेक्षिकायें उपस्थित थीं। बैठक में सर्वप्रथम विगत बैठक में दिए गए निर्देशों की समीक्षा की गयी। समीक्षा के क्रम में पाया गया कि महिला पर्यवेक्षिकाओं द्वारा नियमित रूप से आंगनबाड़ी केंद्रों का जांच मानक के अनुरूप नहीं किया जा रहा है, जिसके कारण सही-सही डाटा उपलब्ध नहीं हो पा रही है। जिलाधिकारी ने सीडीपीओ चकाई को फोन पर फटकार लगाई और उनसे स्पष्टीकरण मांगा। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ अधिकारियों को गलत जानकारी देना अनुशासनहीनता है और भविष्य में ऐसी गलती पर शासन स्तर पर कार्रवाई की जाएगी।

इसके अतिरिक्त, उन्होंने डीपीओ को भी क्योंकि आंगनबाड़ी केंद्र पर प्रतिशत वृद्धि में प्रगति नहीं होने के कारण फटकार लगाई।

इसमें जिलाधिकारी ने आंगनवाड़ी केंद्रों को राशन वितरण एवं अन्य सम्बंधित कार्यों में लापरवाही बरतने पर सीडीपीओ तथा महिला पयंर्वेक्षक को फटकार लगाई। लापरवाही बरतने पर आंगनबाड़ी, मुख्य सेविका और सहायिकाओं को सेवा समाप्त करने की चेतावनी दी।

जिलाधिकारी ने डीपीओ को निर्देश दिया कि वह प्रतिदिन प्रतिवेदन को क्रास जांच करे। उन्होंने इस संबंध में कड़ा संज्ञान लिया है एवं सभी महिला पर्यवेक्षिकाओं को चेतावनी दी है कि केंद्र की जांच उनकी प्राथमिकता होनी चाहिए। केंद्रो में पोषाहार का वितरण, बच्चों का पठन-पाठन, टीएचआर का वितरण ससमय पर एवं सही मानक के अनुरूप किया जा रहा है कि नहीं, यह सुनिश्चित करना उनकी जिम्मेवारी है। आगे इसमें शिथिलता पाये जाने पर दोषी महिला पर्यवेक्षिकाएं कार्रवाई के लिए तैयार रहेंगे। बैठक में पाया गया कि कई आंगनबाड़ी केंद्रों पर पेयजल एवं शौचालय की समस्या है, जिसके लिए उन्होंने चिंता जाहिर की। सभी सीडीपीओ एवं महिला पर्यवेक्षकाओं को निर्देश दिया गया कि जल्द से जल्द सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर शौचालय का निर्माण एवं पेयजल के लिए चापाकल अथवा नल-जल का कनेक्शन निश्चित रूप से सुनिश्चित करायेंगी।

इस दरमियान आंगनबाड़ी केंद्रों पर विद्युत आपूर्ति की समीक्षा की गयी और कहा कि विद्युत अभियंता से समन्वय स्थापित कर करायें। बताया गया कि कई आंगनबाड़ी केंद्रों पर स्मार्ट मीटर लगा दिया गया है परंतु बिजली पोल से कनेक्शन नहीं दिया गया है, जिसके कारण केंद्रों पर बिजली की आपूर्ति नहीं हो पा रही है। सभी सीडीपीओ एवं महिला पर्यवेक्षिकाओं को निर्देश दिया कि अपने-अपने क्षेत्रों के विद्युत संचरण अभियंताओं से समन्वय स्थापित कर इसे तुरंत पूर्ण कराना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा कि कार्य में शिथिलता या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आईसीडीएस के तहत पोषण सहित अन्य कार्यों में शिथिलता बरतने पर मुख्य सेविका को जल्द से जल्द ही कार्यवृत्ति में सुधार लाने का निर्देश दिया। प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना, मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना में जिला की स्थिति सराहनीय है। आंगनबाड़ी केंद्रों पर पोषाहार का वितरण किया जा रहा है परंतु उसी दिन डाटा का विभागीय सॉफ्टवेयर पर अपलोड नहीं किया जा रहा है, जिसके लिए खेद व्यक्त करते हुए जिला पदाधिकारी ने सभी महिला पर्यवेक्षकों को निर्देश दिया कि प्रतिदिन कम से कम पांच आंगनबाड़ी केंद्रों की जांच करेंगी तथा सेविकाओं द्वारा वितरित टीएचआर का डाटा अपलोड करना सुनिश्चित करेंगी। अन्यथा सेविकाओं के साथ-साथ संबंधित महिला पर्यवेक्षकों के विरुद्ध भी कार्यवाही की जायेगी।

उन्होंने उपस्थित सभी महिला पर्यवेक्षिकाओं को निर्देश दिया कि जिस सेविका द्वारा प्रतिदिन टीएचआर का डाटा अपलोड नहीं किया जाता है उनसे स्पष्टीकरण कर उनके विरुद्ध कार्रवाई करने की अनुशंसा करें। सभी महिला पर्यवेक्षिकाओं को निर्देश दिया कि आंगनबाड़ी सेविका गृह भ्रमण कर रही है अथवा नहीं, इसका भी अनुश्रवण कराना सुनिश्चित करेंगे।

वहीं डीपीओ आइसीडीएस को निर्देश दिया गया कि सभी परियोजना में पंचायत वार महिला पर्यवेक्षिकाओं का उपलब्धि प्रतिवेदन तैयार किया जाए तथा जिनका वर्क परफॉर्मेंस खराब है उनके विरुद्ध कार्रवाई करना सुनिश्चित करेंगी। सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर बच्चों का वेट मशीन उपलब्ध है उसमें बैटरी उपलब्ध है या नहीं इसका भी अनुश्रवण महिला पर्यवेक्षिका करेंगी। सभी महिला पर्यवेक्षिका को प्रत्येक माह में अति कुपोषित कैटेगरी के बच्चों एनआरसी में भेजने का निर्देश दिया। आंगनबाड़ी केंद्र पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगने वाले गर्भवती महिलाओं के जांच शिविर का जांच उसमें स्वास्थ्य विभाग के डाटा के अनुसार सभी महिला का जांच हो तथा दोनों का डाटा में एकरूपता रहे इसके लिए आपस में समन्वय स्थापित करने का निर्देश दिया गया। बैठक में उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया गया कि सभी महिला पर्यवेक्षिका को अनुश्रवण अच्छे से करे अन्यथा कार्रवाई की जायेगी। जिले में पोषण स्वास्थ्य एवं पठन-पाठन को बेहतर बनाने के लिए भी बाल विकास एवं बाल संरक्षण, सुरक्षित मातृत्व से जुड़े सभी योजनाओं के निरंतर समीक्षा की जा रही है।

बैठक में अपर समाहर्ता, डीपीओ आईसीडीएस, सभी प्रखंडों के सीडीपीओ समेत अन्य उपस्थिति रहे।

पानीपत समेत पूरे प्रदेश के सफाई घोटालों की होनी चाहिए सीबीआई जांचः भूपेंद्र सिंह हुड्डा

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

चंडीगढ़। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि तीसरी बार सत्ता में आने के बाद भाजपा ने फिर से ताबड़तोड़ घोटालों को अंजाम देना शुरू कर दिया है। शराब, खनन, भर्ती, फसल बीमा, सहकारिता, अमृत योजना जैसे अनगिनत घोटालों के बाद, अब पानीपत नगर निगम का सफाई घोटाला उजागर हुआ है। आरटीआई के तहत मिली जानकारी के मुताबिक सफाई कार्य का ठेके देने में करोड़ों की धांधली हुई है।

आरटीआई के तहत खुलासा हुआ है नगर निगम पानीपत ने 13 मई 2022 को गलियों व सड़कों की सफाई के लिए चारों जोन का ठेका 84.08 करोड़ रुपये सालाना में दिया गया था। इस ठे-के की अवधि 2 साल की थी। इसलिए यह ठेका 13 मई 2024 को समाप्त होना तय था। जिसके बाद नगर निगम को दोबारा से सफाई ठेका के नए टेंडर आमंत्रित करने थे। लेकिन नये टेंडर आमंत्रित ना करके मिलीभगत से शहरी स्थानीय निकाय ने ठेके की अवधि 30 जून तक बढ़ा दी। इसके बाद सरकार की कैबिनेट सब कमेटी की 25 जून को हुई मीटिंग में ठेकेदार कम्पनियों को अवैध लाभ देते हुए ठेके की अवधि 31 जुलाई तक बढ़ा दी गई। इसके बाद अवधि को 31 दिसंबर 2024 तक भी बढ़ा दिया गया।

इसके बाद जनवरी 2025 में कैबिनेट सब कमेटी ने बिना नए टेंडर आमंत्रित करवाए इन दोनों निजी कम्पनियों के ठेके के रेट में गुप-चुप तरीके 84 परसेंट की भारी बढ़ोतरी कर डाली। इसके चलते 84.08 करोड़ के बजाए अब कंपनियों को 154.83 करोड़ रुपये सालाना देना तय हो गया। साथ ही ठेके की अवधि भी एक साल बढ़ाकर 31 दिसंबर 2025 तक कर दी गई।

ठेका अवधि खत्म होने के बावजूद ठेकेदारों पर बार-बार इतनी मेहरबानी और करोड़ों की अतिरिक्त मंजूरी, स्पष्ट तौर पर घोटाले को उजागर कर रही है। यह भी स्पष्ट है कि करोड़ों की इस लूट में सरकार खुद संलिप्त है। इसीलिए इन दोनों ठेकेदार कम्पनियों के खिलाफ 15.84 करोड़ रुपये के एक अन्य फजीर्वाड़े में सीएम फ़्लाइंग स्क्वैड द्वारा मुकददमा दर्ज करने के बावजूद, कोई गिरफ्तारी नहीं की जा रही है। आरोप है कि इन कम्पनियों ने कुल 1259 कर्मचारी लगाने थे, लेकिन अधिकारियों की मिलीभगत से सिर्फ 847 कर्मचारी ही लगाए और सरकार को 66 लाख रुपये प्रति माह का चूना लगाया। इतने गंभीर आरोपों के बावजूद इस केस में अभी तक ना कोई गिरफ्तारी हुई, ना किसी अधिकारी को सस्पेंड किया गया और ना ही आरोपी कम्पनियों के ठेके रद्द किए गए।

हुड्डा ने कहा है कि इससे पहले कैथल, रोहतक, गुरूग्राम और फरीदाबाद समेत पूरे प्रदेश में ऐसे घोटाले उजागर हो चुके हैं। लेकिन सरकार कोई कार्रवाई करने की बजाय, घोटालेबाजों को संरक्षण देने में लगी है. इससे स्पष्ट है कि सरकार खुद इन गड़बड़झालों में संलिप्त है। इसलिए इन तमाम मामलों की जांच सीबीआई द्वारा करवाई जानी चाहिए। ताकि जनता की गाढ़ी कमाई में हो रही इस लूट पर रोक लग सके।

आजाद अधिकार सेना ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को दिया ज्ञापन

संजना भारती संवाददाता

बदायूं। पुलिस विभाग में भारी भ्रष्टाचार के विरोध में आजाद अधिकार सेना ने (क्षेत्रीय अध्यक्ष शिवराज सिंह यादव) जिला पुलिस कार्यालय पर एकत्र होकर पुलिस विभाग में भारी भ्रष्टाचार के खिलाफ विरोध प्रदर्शक करते हुए एसपी/एसएसपी/पुलिस कमिश्नर के माध्यम से प्रदेश के डीजीपी के नाम प्रत्यावेदन सौंपा।

प्रत्यावेदन में कहा गया कि सरकारी विभागों में पुलिस विभाग भ्रष्टाचार के मामले में सबसे ऊपर माना जाता है। आम नागरिक पुलिस विभाग के भ्रष्टाचार के कारण काफी पीड़ित और प्रताड़ित है। इसके साथ ही पुलिस विभाग द्वारा नागरिकों के साथ जिस प्रकार का दुर्व्यवहार तथा अमानवीय कार्य किया जाता है एवं बिना किसी कारण के गाली गलौज तथा मारपीट की जाती है, उसके कारण आम नागरिक के दिलों दिमाग में पुलिस की छवि किसी अपराधी की तरह बन गई है। पुलिस कर्मियों पर निरंतर राजनीतिक दबाव में व्यक्ति की हैसियत को देखकर भेदभावपूर्ण कार्रवाई करने के आरोप निरंतर लगते रहते हैं।

पार्टी ने डीजीपी से पुलिस सेवा नियमावली में आमूल चूल बदलाव लाए जाने तथा पुलिस भर्ती प्रक्रिया में चरित्र की जानकारी प्राप्त करने की मांग की। साथ ही पुलिस वालों के खिलाफ प्राप्त प्रत्येक शिकायत को बहुत गंभीरता से लेते हुए उनकी सही जांच करवाए जाने की मांग की गई। पार्टी नहीं संबंध में सुप्रीम कोर्ट द्वारा एक अलग शिकायत निवारण प्राधिकरण बनाए जाने के आदेश का तत्काल पालन कराए जाने की मांग भी की।

विरोध प्रदर्शन के दौरान (क्षेत्रीय अध्यक्ष शिवराज सिंह यादव जिलाअध्यक्ष इंतजार हुसैन पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला मोर्चा कमरुल निशा) उपस्थित रहे।

एंटी नारकोटिक्स सेल ने ड्रग तस्कर को दबोचा, 132 ग्राम अफीम बरामद, आरोपी 2 दिन के पुलिस रिमांड पर

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजेश कुमार

पंचकूला। हरियाणा सरकार द्वारा नशा मुक्ति के लिए चलाए जा रहे अभियान को सफल बनाने के उद्देश्य से पुलिस कमिश्नर शिबास कविराज के मार्गदर्शन में पंचकूला पुलिस लगातार प्रयासरत है। डीसीपी क्राइम अमित दहिया के नेतृत्व में एंटी नारकोटिक्स सेल पंचकूला की टीम ने अफीम तस्करी के मामले में एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी ट्राईसिटी में नशा तस्करी का काम कर रहा था और उत्तर प्रदेश से अफीम लाकर यहां सप्लाई करता था। ड्रग तस्करों के खिलाफ कार्रवाई के साथ-साथ पुलिस द्वारा जिला को नशा मुक्त बनाने की दिशा में ह्लनशा और हिंसा मुक्त मेरा गांव मेरी शानह्व अभियान के तहत लोगों को लगातार नशे से बाहर निकालने के हर संभव प्रयास किये जा रहे है।

दिनांक 29 मई 2025 को एंटी नारकोटिक्स सेल की टीम गश्त पर थी, तभी टीम को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि एक युवक, जो मूल रूप से पंजाब का निवासी है, वह राधा स्वामी सत्संग घर साकेत चडीमंदिर के पास अपनी एक्टिवा से अफीम सप्लाई करने आएगा। इस सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए एसीपी क्राइम अरविंद कंबोज के नेतृत्व में एंटी नारकोटिक्स सेल इन्चार्ज इंचार्ज सब-इंस्पेक्टर प्रवीण कुमार अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और बताई गई लोकेशन पर दबिश देकर युवक को काबू करने में सफलता प्राप्त की।

पूछताछ में आरोपी की पहचान के रूप में हुई है। आरोपी की पहचान सुनील कुमार उर्फ सोनु पुत्र बीरसिंह खड़क मंगोली पंचकूला हाल किरायेदार गांव भंकरपुर गुरूनानक एन्कलेव डेराबस्सी, पंजाब उम्र 37 के रुप मे हुई है। युवक की तलाशी लेने पर 132 ग्राम अफीम बरामद हुई है। पुलिस द्वारा आरोपी के खिलाफ थाना चंडीमंदिर पंचकूला में एनडीपीएस एक्ट की धारा 18 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

दिनांक 30 मई को आरोपी सुनील कुमार को माननीय न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे 2 दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है। पुलिस रिमांड के दौरान आरोपी से पूछताछ कर यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि वह अफीम की खेप कहां से लाता था और ट्राईसिटी में किसे सप्लाई करता था। पुलिस आरोपी के मोबाइल फोन व अन्य माध्यमों से उसके नेटवर्क और मुख्य सप्लायर तक पहुंचने की दिशा में कार्रवाई कर रही है।

नशीले पदार्थों के खिलाफ अभियान को और तेज करते हुए अधिकारियो ने ड्रग्स हॉटस्पाट्स की पहचान कर विशेष निगरानी रखने के साथ-साथ ऐसे ठिकानों पर छापेमारी के आदेश दिए है।

पत्रकार चुनौतियों का सामना करते हुए भी डटे रहते हैंः स्वतंत्र प्रकाश

'पत्रकार की कलम में समाज में परिवर्तन की ताकत होती है'

एसबी ब्यूरो प्रमुख इंतजार हुसैन

बदायूं। दिल्ली पब्लिक स्कूल बदायूँ के हाल में विभिन्न पत्रकार संगठनों द्वारा हिन्दी पत्रकारिता दिवस समारोह आयोजित किया गया। डीपीएस के डायरेक्टर संदीप भारती ने विद्यालय प्रबंधन की ओर से सभी पत्रकारों का तिलक व पटका पहनाकर अभिनंदन किया। कार्यक्रम में भारतीय सेना के शौर्य पूर्व सैनिकों एवं पचास वर्ष से अधिक आयु के पत्रकारों का तथा विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत उत्कृष्ट महानुभावों एवं संगठनों को सम्मानित किया गया।

हिन्दी पत्रकारिता दिवस पर नेशनल यूनियन आफ जर्नलिस्ट, उ0प्र0 श्रमजीवी प्रत्रकार यूनियन, ग्रामीण प्रत्रकार एसोसिएशन, आलइंडिया रिपोर्टस एसोसिएशन एवं उ. प्र. एसोसिएशन ऑफ जर्नलिस्ट्स की बदायूँ इकाइयों द्वारा आयोजित व्याख्यान एवं गोष्ठी कार्यक्रम में पत्रकारिता में चुनौतियाँ विषय पर चर्चा करते हुए राज्य सूचना आयुक्त स्वतंत्र प्रकाश गुप्त ने कहा कि पत्रकार कर्तव्यनिष्ठा एवं सत्यता के साथ कार्य करते रहें और सामने आने वाली चुनौतियों से न घबरायें। तभी वे पत्रकारिता की ऊँचाईयों पर पहुँच सकते हैं।

एएनआई की उ0प्र0 प्रभारी एवं वरिष्ठ सम्पादक कामना हजेला ने कहा कि वर्तमान समय में पत्रकारिता करना किसी चुनौती से कम नहीं है। उन्होंने कार्यक्रम में युवा पत्रकारों की अधिक संख्या में सहभागिता पर प्रशंसा व्यक्त करते हुए कहा कि बदायूँ जनपद में पत्रकारिता के क्षेत्र में युवा वर्ग आगे आ रहा है, यह खुशी की बात है। नगर विधायक महेश चन्द्र गुप्ता ने कहा कि पत्रकार के कलम में बड़ी ताकत है, समस्त पत्रकार सच्चाई और निर्भीकता के साथ कलम का प्रयोग करे।

वरिष्ठ साहित्यकार अशोक खुराना ने कहा कि इसमें दो राय नहीं कि पत्रकार सामाजिक विषमताओं को हल करने का प्रयास करते हुए कार्यपालिका व न्यायपालिका के हाथों को मजबूत करने में सकारात्मक भूमिका निभा रहा है। इसको और बेहतर बनाने हेतु मीडिया बंधुओं में सामंजस्य होना अतिआवश्यक है। जिसकी शुरूआत बदायूँ जनपद में हो चुकी है, जो इस कार्यक्रम में देखने को मिल रही है विभिन्न संगठन संयुक्त रूप से आज यह कार्यक्रम मना रहे है। उन्होंने दो लाइनें पढ़ते हुए कहा कि-

चश्मा हो यदि सत्य का,
और ह्रदय सुविचार।
निकलेगा निष्कर्ष फिर,
बेहतर ही हर बार।।

एस0पी0 देहात के0के0 सरोज ने दिवंगत गणेश शकर विद्यार्थी को नमन करते हुए एवं पत्रकारिता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज हम गणेश शंकर विद्यार्थी जैसे महापुरुष की जयंती मना रहे हैं, जो एक निष्पक्ष पत्रकार के साथ-साथ समाजसेवी व स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भी थे। हमारे देश की स्वतंत्रता में पत्रकारिता की बड़ी भूमिका है। वरिष्ठ पत्रकार शरद शंखधार ने कहा कि आप लोग गणेश शंकर विद्यार्थी को पढ़ें और उन्हें करीब से जानें तथा उनसे प्रेरणा लेकर सच्ची और निष्पक्ष पत्रकारिता करते हुए न घबरायें, सच्चाई की राह पर परेशानियाँ तो आती ही हैं उनका डटकर सामना करें।

कार्यक्रम आयोजक की संयुक्त टीम से सचिन भारद्वाज, विवेक खुराना, विष्णुदेव चांडक्य, संजीव सक्सेना, वेदभानु आर्य, अबरार अहमद, ठाकुर वेदपाल सिंह, राजकमल गुप्ता, राहुल सक्सेना, सुशील धींगड़ा, आशु बंसल, अजय के गुप्ता एड. आदि ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम संचालन रविंद्र मोहन सक्सेना ने किया।

सुशील धींगड़ा, लवनेश वार्ष्णेय, हामिद अली राजपूत, विष्णु देव चांडक, वेदभानु आर्य, आशु बंसल, कमला माहेश्वरी, सुजाअत अली, ज्योति सिंह राठौर, मुनेन्द्र शर्मा, सगीर अहमद, सूरज प्रसाद, अतुल शर्मा, पंकज गुप्ता, समीर सक्सेना, नन्दकिशोर पाठक, मुकेश वशिष्ठ, सुनील दत्त मिश्रा, समेत सेना के शौर्य पूर्व सैनिक तथा शहीद परिवारों को भी सम्मानित किया गया।

खबर का दिखा असरः अधिकारियों की पहल से आलमचक, भवानीपुर पथ पर बना स्पीड ब्रेकर हटाया गया

एसबी संवाददाता

मंसूरचक(बेगूसराय)। आलमचक भवानीपुर पथ पर आवश्यकता से अधिक स्पीड ब्रेकर बना देने से स्थानीय ग्रामीणों को हो रही परेशानी को बीडीओ सुभाष कुमार ने गंभीरता से संज्ञान लिया। बीडीओ ने तत्काल आरइओ विभाग के कनीय अभियंता को कार्यालय में तलब किया और सड़क का निरीक्षण किया। निरीक्षण में जनता से मिली शिकायत सही पाये जाने पर प्रखंड विकास पदाधिकारी ने कनीय अभियंता को आवश्यक स्पीड ब्रेकर को हटाने का निर्देश दिया। अवैध तरीके से बने स्पीड ब्रेकर को जेसीबी से हटा दिया गया। बीडीओ की गंभीरता से ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। एक सप्ताह पूर्व हिन्दी दैनिक समाचार पत्र संजना भारती में समाचार को प्रकाशित किया गया था। समाचार प्रकाशित होने पर अधिकारियों ने संज्ञान लिया। अवैध तरीके से बने स्पीड ब्रेकर को हटाये जाने पर स्थानीय राहगीरों ने बीडीओ साहब की भूरी-भूरी प्रसंशा किया।

विधायक ने तरावड़ी अनाज मंडी में 2 करोड़ 24 लाख रुपये की लागत से निर्मित बेश शैड का किया उद्घाटन

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। विधायक भगवानदास कबीरपंथी ने शुक्रवार को तरावड़ी अनाज मंडी में 2 करोड़ 24 लाख रुपये की लागत से निर्मित 16 बेश के नए शैड का उद्घाटन किया। यह शेड 120 मीटर लम्बे और 24 मीटर चौड़े हैं। अनाज मंडी में पहुँचने पर विधायक का मंडी अधिकारियों, आढ़तियों व कार्यकताओं द्वारा फूल मालाओं व पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया।

इस अवसर पर विधायक भगवानदास कबीरपंथी ने कहा कि यह नया शैड मंडी में आने वाले किसानों और आढ़तियों दोनों के लिए सुविधा प्रदान करेगा और अनाज के सुरक्षित भंडारण में सहायक होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार सभी वर्गों, विशेषकर किसान और मजदूर भाइयों के हितों मे लगातार कार्य कर रही है। सरकार का दृढ़ संकल्प है कि प्रदेश के हर नागरिक का विकास सुनिश्चित हो और उन्हें प्रगति के समान अवसर मिलें।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने किसानों की आय बढ़ाने के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं लागू की हैं जिनका लाभ किसानों को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि मजदूर वर्ग के कल्याण के लिए भी सरकार ने कई कदम उठाए हैं। श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा, उनके लिए बेहतर कार्य और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार निरंतर प्रयासरत है। प्रदेश सरकार का मानना है कि किसान और मजदूर प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और उनके सशक्तिकरण से ही प्रदेश का समग्र विकास संभव है। सरकार आगे भी सभी वर्गों के कल्याण के लिए समर्पित भाव से कार्य करती रहेगी।

कार्यक्रम में मंडी प्रधान सुभाष गुप्ता, मंडी अधिकारी और बड़ी संख्या में आढ़ती भाई एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

असंध को जिला बनाने की मांग को लेकर 7 जून की बैठक में बनाएंगे रणनीति: शेर प्रताप शेरी

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असन्ध। असंध को जिला बनाने की मांग बहुत पुरानी है। क्षेत्र के लोगों को उम्मीद थी कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सालवन में आयोजित प्रदेशस्तरीय महाराणा प्रताप जयंती समारोह में असंध को जिला बनाने की घोषणा करेगें और लोगों की वर्षों पुरानी मांग पूरी होगी। असंध क्षेत्र पिछड़ा हुआ है और यदि मुख्यमंत्री असंध को जिला बनाने की घोषणा करते तो क्षेत्र का विकास होता और युवाओं को रोजगार मिलता। असंध को जिला बनाने की घोषणा न होने से क्षेत्र के लोग मायूस है।

उपरोक्त विचार हरियाणा किसान कांग्रेस के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष शेर प्रताप शेरी ने कहे। कांग्रेस नेता ने कहा कि असंध क्षेत्र पिछड़ा हुआ है और युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि जुण्डला को उप तहसील व मूनक में आईआईटी की मांग को भी मुख्यमंत्री ने पूरा नही किया जिससे क्षेत्र के लोगों को निराशा हाथ लगी। उन्होंने कहा कि सड़कों की मरम्मत करना व सड़कें बनाना तो रुटीन के काम है। प्रदेश का हर वर्ग भाजपा सरकार की गलत नीतियों से तंग आ चुका है। शेरी ने कहा कि असंध को जिला बनाने की मांग को लेकर आगामी 7 जून को करनाल रोड स्थित कांग्रेस कार्यालय में होने वाली मासिक बैठक विचार-विमर्श किया जाएगा और आगे की रणनीति तय की जाएगी। हरियाणा किसान कांग्रेस के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए कहा कि 7 जून को होने वाली मासिक बैठक में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचे।

विधायक ने मातेश्वरी देवी अहिल्याबाई होल्कर जी की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में की शिरकत

गांव में स्थित ग्राम सचिवालय का किया औचक निरीक्षण

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। विधायक जगमोहन आनंद ने कहा कि मातेश्वरी देवी अहिल्याबाई होल्कर का जीवन आज भी समरसता, नारी शक्ति और धर्म परायण नेतृत्व का अमर आदर्श है, जिनसे वर्तमान पीढ़ियां प्रेरणा लेती रहेंगीं।

विधायक जगमोहन आनंद गांव काछवा की पाल चौपाल में देवी अहिल्याबाई होल्कर जी की 300वीं जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने मातेश्वरी देवी अहिल्याबाई होल्कर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके अनुपम जीवन, लोकहितकारी शासन, धार्मिक सहिष्णुता तथा समाज सुधार हेतु उनके अद्वितीय योगदान को ससम्मान स्मरण किया गया। उन्होंने कहा कि मातेश्वरी देवी अहिल्याबाई ने अपने साम्राज्य महेश्वर और इंदौर में अनेक मंदिरों का निर्माण करवाया। उनका मानना था कि धन प्रजा व ईश्वर की दी हुई धरोहर स्वरूप निधि है, इसलिए उन्होंने लोगों के विश्राम के लिए मुख्य तीर्थस्थलों गुजरात के द्वारका, काशी विश्वनाथ, वाराणसी का गंगा घाट, उज्जैन, नासिक विष्णुपद मंदिर और बैजनाथ के आस पास बहुत-सी धर्मशालाएं भी बनवाई और मुस्लिम आक्रमणकारियों द्वारा तोड़े हुए मंदिरों के जीर्णोद्धार के साथ-साथ सोमनाथ में शिवजी का विश्व प्रसिद्ध मंदिर बनवाया।

विधायक ने 31 मई को मातेश्वरी देवी जी की 300वीं जयंती के उपलक्ष्य में पिपली (कुरुक्षेत्र) की अनाज मंडी में आयोजित होने वाले समारोह के लिए आमंत्रित भी किया। उन्होंने कहा कि मातेश्वरी देवी अहिल्याबाई होल्कर जी के गौरवमयी इतिहास से प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने गांव वालों का धन्यवाद करते हुए कहा कि विधानसभा चुनावों में भारी बहुमत से विधायक बनाया है, उन्होंने विश्वास दिलाया कि विकास कार्यों में किसी प्रकार की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी।

इस कार्यक्रम के बाद विधायक जगमोहन आनंद ने गांव के ग्राम सचिवालय का औचक निरीक्षण किया तथा लाइब्रेरी में पढ़ रहे युवाओं से बातचीत की, यहां पर युवाओं ने विधायक जगमोहन आनंद से वाटर कूलर की मांग रखी जिसे तुरंत प्रभाव से पूरा कर वाटर कूलर की व्यवस्था करवाई गई। यहां पर विधायक ने ग्राम सचिवालय में उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

इस अवसर पर पार्षद राजेश अग्गी, महामंत्री बंसीलाल, राजबीर खोखर, दीपक कुमार, सुनील पाल, देवेंद्र गुज्जर, बिट्टू सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। विधायक जगमोहन आनंद ने स्थानीय डेरा कार सेवा में आयोजित श्रद्धापूर्ण समागम में पंचम पातशाह श्री गुरु अर्जुन देव जी के शहीदी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में शिरकत की तथा गुरु दरबार में शीश नवाया।

विधायक जगमोहन आनंद ने करनाल विधानसभा के गांव काछवा में आयोजित भगवान परशुराम जी के जन्मोत्सव पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया तथा सभी को पावन जन्मोत्सव की बधाई दी।

गणित विषय को रोचक, सरल के लिए जिला शिक्षा विभाग ने तैयार की 'पजल बुकलेट'

जिला शिक्षा अधिकारी ने किया पुस्तक का विमोचन

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। जिला शिक्षा विभाग ने "पजल बुकलेट तैयार की है, जिसमें गणित विषय को रोचक, सरल और गतिविधि-आधारित रूप में प्रस्तुत करने का एक अभिनव प्रयास है। इसमें सुडोकू, कश्मीरी अमृत पजल्स, हरबंस पजल्स, गणितीय तर्क, और इंटीग्रेशन, डेरिवेटिव, फंक्शन्स जैसे जटिल विषयों को पजल्स के रूप में वर्गीकृत किया गया है। इस पुस्तक का विमोचन जिला शिक्षा अधिकारी राम दिया गागट ने अपनी सेवानिवृत्ति समारोह के दौरान किया।

इस बुकलेट को जिला गणित विशेषज्ञ श्री छत्रपाल के नेतृत्व में राजकीय विद्यालयों के गणित शिक्षकों के सहयोग से तैयार किया गया है। इस पुस्तक को पांच भागों में विभाजित किया गया है। जिसके भाग एक में बाल वाटिका से कक्षा दो तक, भाग दो में कक्षा तीन से पांच तक, भाग तीन में कक्षा छह से आठ तक, भाग चार मे कक्षा 9 व 10 के लिए तथा भाग पांच में कक्षा 11 व 12 के लिए जटिल गणितीय अवधारणाओं दी गई है।

जिला शिक्षा अधिकारी श्री राम दिया गागट ने कहा कि यह पुस्तक बच्चों में गणित के प्रति जिज्ञासा और रचनात्मकता को बढ़ावा देगी। इस अवसर पर उप जिला शिक्षा अधिकारी सुरेश कैंदल, उप जिला शिक्षा अधिकारी सुरेंद्र हुड्डा, जिला गणित विशेषज्ञ छत्रपाल, जिला विज्ञान विशेषज्ञ अनिल तंवर, एईओ रमेश, प्रवक्ता राम मेहर, बीआरपी संदीप, समस्त जिला शिक्षा अधिकारी स्टाफ उपस्थित रहे। जिला गणित विशेषज्ञ छत्रपाल ने बताया कि पुस्तक में दिए गए उदाहरणों के आधार पर शिक्षक नई पजल्स तैयार कर विद्यार्थियों को गृहकार्य के रूप में देंगे। इससे विद्यार्थियों में समस्या समाधान क्षमता, तार्किक सोच और गणितीय अभिरुचि का विकास होगा।

यह बुकलेट अब ऑनलाइन सभी के लिए उपलब्ध कर दी जाएगी और प्रत्येक वर्ष इसके नए संस्करण और अंक जारी किए जाएंगे। विद्यार्थी स्वयं भी नई पजल्स बनाना सीखेंगे।

मंत्रियों, विधायकों सहित हजारों लोगों ने विधानसभा अध्यक्ष की चाची को किया सादर नमन

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष एवं घरौंडा विधायक हरविन्द्र कल्याण की चाची स्वर्गीय श्रीमती गुरु बचनी देवी जी की मेरठ रोड स्थित अनमोल गार्डन में हुई श्रद्धांजलि सभा में मंत्रियों, विधायकों, प्रशासनिक अधिकारियों व गणमान्य लोगों ने उन्हें नमन कर भावभीनी श्रद्धाजंलि दी। शुक्रवार को स्वास्थ्य मंत्री आरती राव, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता सहित कई विधायकों व पूर्व मंत्री तथा विधायकों ने उन्हें अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए।

विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने भावभीनी स्वर में अपनी चाची मां को नमन करते हुए सभी का हृदय से आभार जताया। उन्होंने कहा कि चाची मां का जीवन प्यार, संयम, परिश्रम, मेहनत की अनुपम मिसाल है, चाची मां परिवार में सबसे बड़ी थीं। उन्होंने अपने जीवन में कई उतार-चढ़ाव देखे लेकिन कभी परिश्रम व धैर्य का साथ नहीं छोड़ा, उन्होंने कभी अपने जीवन में उन्हें अशांत नहीं देखा, सदा शांत देखा। उनका जीवन केवल उनके परिवार के लिए ही नहीं बल्कि समाज के लिए भी एक प्रेरणा है। पहले की पीढि?ों में जो प्यार, संयम, परिश्रम, मेहनत, अपनापन था वह आज की पीढि?ों में कम होता जा रहा है। नई पीढ़ी उनके जीवन से गहरा सबक ले सकती है। बता दें कि स्वर्गीय श्रीमती गुरु बचनी देवी जी का निधन 18 मई को हो गया था। उनके निधन पर केंद्रीय मंत्री मनोहरलाल, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, पूर्व प्रतिपक्ष नेता अभय सिंह चौटाला, लोक निर्माण एवं जन-स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा, विकास एवं पंचायत व खनन मंत्री कृष्ण लाल पंवार, उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह, खेल मंत्री गौरव गौतम, अंबाला से सांसद वरूण चौधरी, पूर्व सांसद कुलदीप बिश्नोई, पूर्व मंत्री सीमा त्रिखा, पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर, होडल के विधायक हरिंदर सिंह, विधायक बलराम डांगी, विधायक पवन खरखौदा, फिरोजपुर झिरका के विधायक मामन खान, महेंद्रगढ़ के विधायक कंवर सिंह यादव, हथीन के विधायक मोहम्मद इजराइल, भाजपा के जिलाध्यक्ष प्रवीन लाठर, सुखवीर संधू सहित कई किसान नेताओं व कई विधायक व मंत्रियों ने घर पहुंचकर शोक जताया।

विवेकानंद विद्या निकेतन में हुआ नए शिक्षकों और छात्रों का स्वागत

संजना भारती संवाददाता

असंध। नए शिक्षकों और छात्रों के स्वागत के लिए आयोजित एक दिल को छू लेने वाले कार्यक्रम के दौरान विवेकानंद विद्या निकेतन का जीवंत परिसर खुशी और उत्साह से भर गया। इस विशेष अवसर पर विद्यालय की समावेशिता और उत्सव की भावना झलकी।

कार्यक्रम की शुरूआत ज्ञान की देवी के आशीर्वाद का आह्वान करते हुए एक भावपूर्ण माँ सरस्वती वंदना के साथ हुई। शांत मंत्र ने दिन के लिए एक दिव्य स्वर स्थापित किया, जो विद्यालय के गहन मूल्यों और सीखने के प्रति श्रद्धा को दशार्ता है। विद्यालय प्रबंधक मोहिंदर श्योकंद की गरिमामयी उपस्थिति ने सम्मान अर्जित किया, जो इस दिन के मुख्य अतिथि रहे। उनके साथ प्रिंसिपल रूप कृष्ण भट्ट, वाइस प्रिंसिपल गीता, हेडमिस्ट्रेस ललिता और समन्वयकों की समर्पित टीम शामिल थी, जिनके निरंतर समर्थन और मार्गदर्शन ने कार्यक्रम की सफलता को आकार दिया।

इसके बाद दर्शकों को नए शिक्षकों और छात्रों द्वारा प्रस्तुतियों की एक रमणीय श्रृंखला देखने को मिली। जीवंत नृत्यों और मधुर गीतों से लेकर मनमोहक कविताओं और लघु नाटिकाओं तक, प्रत्येक अभिनय ने नवागंतुकों की अपार प्रतिभा और उत्साह को प्रदर्शित किया। उनके प्रदर्शन रचनात्मकता, आत्मविश्वास और विवेकानंद विद्या निकेतन परिवार का हिस्सा बनने की तीव्र इच्छा का सच्चा प्रतिबिंब थे।अपने संबोधन में, अध्यक्ष महोदय ने प्रदर्शित सहज प्रतिभा की सराहना की और नवागंतुकों को समर्पण, अनुशासन और उत्कृष्टता के मूल्यों को बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रिंसिपल भट्ट ने अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ गर्मजोशी से स्वागत किया और प्रेरक शब्द साझा किए, जिससे सभी को सामूहिक विकास और सद्भाव के लिए प्रयास करने की प्रेरणा मिली।

इम्प्रोम्प्टू शो ने खूबसूरती से अपने उद्देश्य को पूरा किया-अपनेपन, जुड़ाव और स्कूल की भावना को बढ़ावा देना। इसने आगे की नई शैक्षणिक यात्रा के लिए एक सार्थक और आनंदमय शुरूआत को चिह्नित किया।

गांव किठाना के नवयुवक आकाश गोयल ने यूपीएससी में 117वां रैंक प्राप्त कर आईपीस बन गांव का नाम रोशन किया

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। खंड राजौंद के गांव के गांव किठाना के नवयुवक ने यूपीएससी परीक्षा में इतिहास रच दिया है। नवयुवक आकाश गोयल ने यूपीएससी में 117 वां रैंक हासिल का गांव व जिला कैथल का नाम रोशन किया है। गांव किठाना में पहुंचने पर ग्रामीणों द्वारा जोरदार स्वागत किया गया। विदित है कि आकाश गोयल का पैतृक गांव किठाना है। जो कि खंड राजौंद में पड़ता है। आकाश गोयल का परिवार कई साल पहले जींद में जाकर बस गया था और वहीं से उनके परिवार ने बुलंदियों को छूने का सिलसिला जारी किया। बता दें कि आकाश गोयल के पिता वर्तमान में स्कूल के प्रिंसिपल हैं तो उनकी बड़ी बहन चिकित्सा के क्षेत्र में एमडी हैं। जो आजकल दिल्ली में अपनी सेवाएं दे रही हैं। बात करें आकाश गोयल

की तो उनका जन्म दिसंबर 1999 में हुआ था। इस दौरान उन्होंने चिकित्सा के क्षेत्र में एमबीबीएस की डिग्री भी हासिल कर ली और अब आई.पी.एस. बनकर अपने पैतृक गांव पहुंचे। इस बारे में बात करते हुए इस आकाश गोयल ने बताया कि उन्होंने यह मुकाम हासिल करने के लिए इससे पहले दो बार यूपीएससी में प्रयास किया था और अब तीसरे प्रयास मे उन्होंने यू.पी.एस.सी. की परीक्षा पास की

गांव किठाना में पहुंचने पर ग्रामीणों द्वारा जोरदार स्वागत किया गया

है। उन्होंने अपना मार्गदर्शक अपनी बड़ी बहन को बताते हुए कहा कि उनके हौसले की बदौलत थी आज वह आई.पी.एस. बन पाए हैं। उसके बाद उन्होंने गांव के युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि वे जिस भी क्षेत्र में जाना चाहते हैं उस क्षेत्र का पूर्णतः ज्ञान प्राप्त करते हुए बुलंदियों को छूने का प्रयास करें ताकि अपने गांव व देश का नाम रोशन कर सके। उसके बाद उन्होने कहा कि आपके द्वारा दिए गए अपूर्व स्नेहा को ताउमर याद रखेंगे और गांव के विकास के लिए जितना हो सकेगा वह ज्यादा से ज्यादा प्रयास करेंगे। इस मौके पर ग्राम पंचायत सरपंच सुनील चहल, शहिद जयवीर सिंह राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉक्टर सत्यवान अहलावत एवं उनके समस्त अध्यापकगण, डॉक्टर सुनील ढ़ाण्डा, किठाना अनाज मंडी के प्रधान राजेश ढ़ाण्डा, चन्द्ररूप ढ़ाण्डा, सुभाष शर्मा, डॉक्टर बलवान ढ़ाण्डा, राजेश चहल, कुलबीर चहल, मास्टर हरपाल, मास्टर मदनलाल, मास्टर गुरनाम सिंह, मास्टर सतपाल शर्मा, मास्टर अमरपाल शर्मा, राम मेहर ढ़ाण्डा, सुभाष ढ़ाण्डा, सुरेन्द्र ढ़ाण्डा, नरेश ढ़ाण्डा, प्राध्यापक सतबीर सिंह, अनूप ढ़ाण्डा व सांसद नवीन जिंदल कार्यालय से कलायत हल्का प्रभारी कर्मबीर सिसोदिया के साथ साथ भारी तादाद में स्कूल छात्रों के साथ-साथ गांव के युवा व गांव के गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

नगर में गले सड़े खरबूजा व तरबूज नहीं बिकने दिए जाएंगे: प्रधान मार्केट यूनियन

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। राजौंद में गले सड़े खरबूजा व तरबूज बिकने की सूचना मिली है। जानकारी के अनुसार दूसरे नगर व गांव से विक्रेता द्वारा गले सड़े खरबूजा व तरबूज भारी संख्या में राजौंद में ला कर बेचा जा रहा है।

प्रधान मेन बाजार मार्केट यूनियन भीम सिंह राणा व प्रधान महाराणा प्रताप चौक मार्केट यूनियन सन्नी शर्मा, तरसेम कुमार शर्मा, सुरेश कुमार मित्तल व अन्य ने बताया कि सीवन निवासी एक युवक फोर व्हीलर में राजौंद के महाराणा प्रताप चौक पर गले सड़े खरबूजा व तरबूज बेचता मिला है। इसकी शिकायत प्रधान भीम सिंह राणा ने फोन पर थाना प्रभारी राजौंद सब-इंस्पेक्टर राजकुमार को दी है। प्रधान ने कहा कि उन्हें थाना प्रभारी ने बताया कि मामला उनके क्षेत्राधिकार का नहीं है।

मामले की सूचना मीडीया द्वारा फोन पर एसएमओ राजौंद कीर्ति कुमार शर्मा व एमओ चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर संदीप सिंह को दी है। दोनों ने बताया कि मामला उनके क्षेत्राधिकार का नहीं है।

मामले पर जानकारी लेने के लिए खाद्य आपूर्ति विभाग राजौंद कार्यालय में फोन किया गया तो बताया गया कि मामला उनके विभाग का नहीं है बल्कि मार्केट कमेटी, कार्यालय अनाजमंडी राजौंद का मामला बनता है। मार्केट कोमेटी राजौंद सचिव ओमप्रकाश को

फोन किया तो उन्होंने कहा वे बाहर गए हैं। उनके कार्यालय में गोविंद से बात की गई तो उन्होंने कहा कि यदि राजौंद में सब्जी मंडी होती व कोई आढ़ती गली साड़ी सब्जी या फल बेचता तो उसके खिलाफ मार्केट कमेटी कार्रवाई कर सकती है। राजौंद में कोई सब्जी मंडी नहीं है। न यहां पर आढ़ती है, ना किसी को सब्जी मंडी के लाइसेंस जारी किये गये है। यह बाहर सड़क का मामला बनता है। उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं आता। उन्होंने कहा कि यह मामला फूड एंड सेफ्टी कैथल के अंतर्गत आता है।

फूड सेफ्टी टोल फ्री नंबर 1800-180-2087 पर फोन किया गया तो कर्मी ने कहा कि यह उनके विभाग का मामला नहीं बनता। प्रधान भीम सिंह राणा ने कहा कि यदि इन गले सड़े खरबूजा व तरबूज को खाकर यदि कोई नागरिक बिमार हो जाए तो उसका जिम्मेदार कौन होगा? उन्होंने कहा कि सरकार व प्रशासन को उदासीनता त्याग कर ऐसे लोगों के विरुद्ध कार्रवाई करनी चाहिए। जिला कैथल के नगर राजौंद की सड़कों पर खुलेआम गले-सड़े, कीड़े पड़े हुए खरबूजे व तरबूज बेचे जा रहे हैं। जिला के खाद्य जांच विभाग का कहीं आता-पता नहीं है।

प्रधान मार्केट यूनियन के दोनों प्रधानों व समस्त कार्यकारिणी ने राजौद के लोगों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए ने सरकार व प्रशासन से उचित कार्रवाई की मांग की है।

पंचकूला में रोड गलीज साफ करवाने के टेन्डर लगवाकर तुरंत सफाई करवाना अति आवश्यक: ओ पी सिहाग

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजेश कुमार

पंचकूला। जननायक जनता पार्टी पंचकूला के जिला अध्यक्ष ओ पी सिहाग एवं नगर निगम पंचकूला वार्ड नंबर 9 के पार्षद राजेश निषाद ने पंचकूला की आम जनता की परेशानी से जुड़े हुए एक बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दे बारे नगर निगम पंचकूला एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों को चेताते हुए कहा कि हर साल की भांति इस साल भी शहर की सभी मुख्य सडकों तथा अंदरुनी सडकों की रोड गलीज को साफ करवाने के टेन्डर तुरंत लगाकर काम शुरू नहीं किया गया तो लोगों को इस बात का खामियाजा इस साल भी भुगतना पड़ेगा। दोनों जजपा नेताओं ने कहा कि पिछले सालों का अनुभव बताता है कि मॉनसून की बारिश के मौसम से पहले रोड गलीज साफ न करवाने से पंचकूला के काफी सेक्टरो विशेष कर सेक्टर 19, औद्योगिक क्षेत्र फेज 1 एवं 2, सेक्टर 9, 10, 15, 16 आदि सेक्टरो एवं साथ लगते गांवों में ज्यादा बारिश होने से घरों व प्रतिष्ठानों में पानी भर जाने से लोगों को भरी परेशानी का सामना करने के अतिरिक्त काफी कीमती सामान नष्ट होने से बहुत हानि भी हुई थी।

इसके अलावा शहर के मुख्य मार्गों के जलमग्न होने से गाड़ियों व टू व्हीलरज खराब होने से आम जनता को परेशानी होने के साथ भारी नुकसान भी हुआ था। ओपी सिहाग एवं राजेश निषाद

ने पंचकूला में हल्की बारिश होने के बाद पंचकूला के कुछ सेक्टरो का दौरा करने के बाद इस बारे चिंता जताते हुए कहा कि नगर निगम या दूसरे जिम्मेदार महकमों ने अभी तक उपरोक्त महत्वपूर्ण मुद्दे बारे पुरे शहर के टेन्डर नहीं लगाए हैं जबकि पिछले दिनों दो तीन दफा तेज बारिश हो चुकी है तथा मॉनसून की बारिश भी जल्दी ही शुरू होने वाली है।

जजपा जिला अध्यक्ष ओ पी सिहाग ने बताया कि पंचकूला में बहुत साल पहले डाली गई ड्रेनज एवं स्टोरम वाटर चैनलज बिल्कुल संकरा हो चुके है उसकी साल में कम से कम दो दफा अच्छी तरह से सफाई होना अति आवश्यक है। सिहाग ने कहा कि इन रोड गलीज की सफाई का टेन्डर हर वर्ष फरवरी या मार्च के महीने में लग जाये तो बारिश आने से पहले पूरी सफाई होने से घरों एवं प्रतिष्ठानों में पानी भरने की परेशानी से बचा जा सकता है।

जजपा नेता ओ पी सिहाग तथा पार्षद राजेश निषाद ने नगर निगम प्रशासन, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण एवं पंचकूला मेट्रोपोलिटन डेवलपमेंट ऑथोरिटी के अधिकारियों से मांग की है उनको हर हालत में 10 जून से पहले पहले शहर की सड़कों की रोड गलीज की सफाई करवा देनी चाहिए वर्ना ज्यादा लेट होने पर आधी अधूरी सफाई होगी व लोगों को पहले की तरह परेशानियों को झेलना पड़ेगा तथा इन सभी सरकारी विभागों के अधिकारियों तथा ठेकेदारों पर भ्रस्टाचार के आरोप लगाए जाते रहेंगे।